www.bharatsamvad.live

R.N.I.No- MAHHIN/2017/74173

सत्य का स्वर

भारत संवाद

मुंबई, प्रयागराज और लखनऊ से प्रकाशित

सोशल मीडिया पर भारत संवाद
https://x.com/BharatSamvad
www.facebook.com/bharatsamvad.in
www.youtube.com/@BharatSamvad-m3n
E-Paper bharatsamvad.live

मौसम

अधिकतम तापमान 28.c

27.c न्यूनतम तापमान

बाजार

सोना 102.705g

चांदी 113,000kg

2 पीएम मोदी की चीन यात्रा, अविश्वास की खाई होगी कम?

जेल में मुस्लिम-सिख बंदियों ने भी बंधवाई राखी 04

वर्ष :09 | अंक :48 | मुंबई ,शुक्रवार ,08 अगस्त 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 2: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में बढ़ा बाढ़ का खतरा, खतरे के निशान से ऊपर बह रही यमुना नदी

चालू मानसून सीजन और लगातार बारिश के बीच, दिल्ली में यमुना नदी का जलस्तर गुरुवार सुबह 7 बजे 204.79 मीटर तक बढ़ गया, जो 204.50 मीटर के चेतावनी निशान को पार कर गया और इस मौसम के अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। जलस्तर में यह वृद्धि चालू मानसून सीजन के दौरान लगातार बारिश के बीच हुई है, जिसके कारण देश के कई हिस्सों में बाढ़ और जलभराव हो गया है। लगातार बारिश ने नदियों के जलस्तर को खतरे के निशान के करीब या उससे ऊपर पहुंचा दिया है।सुबह 8 बजे, पुराने रेलवे पुल पर यमुना का जलस्तर 204.88 मीटर था, जो नदी के प्रवाह और बाढ़ के खतरे की निगरानी के लिए एक महत्वपूर्ण स्थान है।दिल्ली में, यमुना का चेतावनी स्तर 204.5 मीटर है, खतरे का निशान 205.3 मीटर है, और नदी का जलस्तर 206 मीटर तक पहुँचते ही निकासी के प्रयास शुरू हो जाते हैं। केंद्रीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष के एक अधिकारी ने बताया कि जलस्तर में वृद्धि मुख्यतः हरियाणा के हथिनीकुंड बैराज से भारी मात्रा में पानी छोड़े जाने के कारण हुई है।

बाढ़ से बंद हुए रास्ते, नाव पर सवार होकर बिहार से बलिया पहुंची बारात

पिछले काफी समय से हो रही लगातार बारिश ने अपना कहर बरपाना शुरू कर दिया है। पहाड़ों पर जहां बादल फट रहे हैं वहीं दूसरी ओर मैदानी इलाकों में नदियां उफान पर है। कई राज्यों में बाढ़ की स्थिति है।ऐसे में एक चौंका देने वाली घटना सामने आयी है।उत्तर प्रदेश के बलिया में गंगा नदी में आयी बाढ़ से सड़क मार्ग बंद हो जाने के कारण बिहार से एक बारात नाव पर सवार होकर बलिया पहुंची। नाव पर सवार बारातियों को नदी की मौजों से बेखबर पूरे उत्साह से तालियां बजाते हुए मंजिल की तरफ बढ़ने का यह नजारा ग्रामीणों के लिये कौतूहल भरा रहा।यह पूरा मामला क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गया है। बिहार के बक्सर जिला के नैनीजोर लाल डेरा गांव के रहने वाले कमलेश राम के बेटे राजेश कुमार की शादी बलिया के बेयासी गांव में तय हुई थी।शादी की तैयारियों के बीच बक्सर जिला भारी बारिश के कारण गंगा नदी की बाढ़ की चपेट में आ गया। बाढ़ की वजह से सारे रास्ते जलमग्न होकर बंद हो गए।सड़क मार्ग के पूरी तरह जलमग्न हो जाने से बारात लेकर जाना मुश्किल हो गया। कमलेश राम ने बृहस्पतिवार को संवाददाताओं को बताया कि बाढ़ के कारण शादी पर ग्रहण लग गया।ऐसी विषम स्थिति में परिवार ने नाव से बारात ले जाने का फैसला किया।

राहुल का आरोप- ईसी ने बीजेपी के साथ चुनाव चुराया

स्क्रीन पर वोटर लिस्ट दिखाकर दावा- महाराष्ट्र में 40 लाख संदिग्ध नाम, कर्नाटक में भी फजीवाड़ा

आरोप

▸▸राहुल के आरोपों पर कर्नाटक चुनाव आयोग ने शपथ पत्र मांगा है। कहा कि वे लिखित में शिकायत करें ताकि आगे की कार्यवाही की जा सके।

एजेंसी

बड़ा आपराधिक घोटाला कर रहे चुनाव आयोग और भाजपा: राहुल

उन्होंने कहा कि हम पूरी तरह से आश्वस्त हैं क्योंकि हम पैटर्न देख रहे हैं. हमने पैटर्न का अध्ययन किया है. हम पूरा विश्वास है कि यह अपराध पूरे देश में, एक के बाद एक राज्यों में बड़े पैमाने पर किया जा रहा है. हमारे लिए सीसीटीवी फुटेज और मतदाता सूची अब अपराध का सबूत है और चुनाव आयोग इसे नष्ट करने में लगा हुआ है. इसलिए मैं देश को बताना चाहता हूं कि इस देश में एक बहुत बड़ा आपराधिक घोटाला किया जा रहा है. यह चुनाव आयोग और सत्ताधारी पार्टी द्वारा किया जा रहा है. हमने आपको यहां बिल्कुल स्पष्ट और निर्विवाद सबूत दिए हैं.

नई दिल्ली , राहुल गांधी ने प्रजेंटेशन के दौरान स्क्रीन पर लिखा- वोट हैज बीन डेस्ट्रॉयड; स्क्रीन के बायीं ओर तीनों चुनाव आयुक्त और दायीं और मोदी-शाह की तस्वीरें लगी हुई थीं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को वोटर लिस्ट में गड़बड़ पर 1 घंटे 11 मिनट तक 22 पेज का प्रजेंटेशन दिया। राहुल ने स्क्रीन पर कर्नाटक की वोटर लिस्ट दिखाते हुए कहा कि वोटर लिस्ट में संदिग्ध वोटर मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र के नतीजे देखने के बाद हमारा शक पुख्ता हुआ कि चुनाव में चोरी हुई है। मशीन रीडेबल वोटर लिस्ट नहीं देने से हमें भरोसा हुआ कि चुनाव आयोग ने भाजपा के साथ मिलकर महाराष्ट्र के चुनाव की चोरी की है। राहुल ने कहा कि हमने यहां वोट चोरी का एक मॉडल पेश किया, मुझे लगता है कि इसी मॉडल का प्रयोग देश की कई लोकसभाओं और विधानसभाओं में हुआ।

शुरूआत कर्नाटक से की, महादेवपुरा सीट पर 1 लाख वोट चोरी

कर्नाटक की महादेवपुरा असेंबली सीट की वोटर लिस्ट स्क्रीन पर दिखाते हुए राहुल ने कहा कि यहां के 6.5 लाख वोट में से 1 लाख वोटों की चोरी हुई है। कांग्रेस के रिसर्च में यहां एक लाख के करीब गलत पता और एक ही पते पर बल्क वोटर और डुप्लीकेट वोटर्स का पता चला।कर्नाटक में हमें 16 सीटों पर जीत मिलती, लेकिन हम सिर्फ 9 सीटों पर जीते। हमने इन सात हारी हुई सीटों में से एक सीट पर जांच-पड़ताल की, वो सीट थी बेंगलुरु सेंट्रल।भाजपा को 6,58,915 वोट मिले। दोनों पार्टियों को मिले वोटों का अंतर सिर्फ 32,707 था। वहीं जब महादेवपुरा असेंबली सीट पर वोटिंग हुई तो दोनों पार्टियों के बीच वोट का अंतर 1,14,046 का रहा। राहुल ने कहा- इस हिसाब से देखें तो 1 लाख से ज्यादा वोटों की चोरी हुई। ये वोट चोरी पांच प्रकार से की गई थी।

भाजपा सत्ता-विरोधी लहर से प्रभावित नहीं...

कांग्रेस सांसद ने कहा कि सत्ता-विरोधी लहर एक ऐसी चीज है जो हर लोकतंत्र में हर पार्टी को प्रभावित करती है. लेकिन किसी कारण से, भाजपा लोकतांत्रिक ढांचे में एकमात्र ऐसी पार्टी है जो मूल रूप से सत्ता-विरोधी लहर से ग्रस्त नहीं है. एग्जिट पोल, ओपिनियन पोल एक बात कहते हैं, जैसा आपने हरियाणा चुनाव में देखा, आपने मध्य प्रदेश चुनाव में देखा, और फिर अचानक परिणाम बड़े पैमाने पर बदलाव के साथ पूरी तरह से अलग दिशा में चले जाते हैं.

ट्रंप के टैरिफ पर पीएम मोदी बोले- मुझे चुकानी होगी बड़ी कीमत और मैं इसके लिए तैयार हूं

भारत अपने किसानों, पशुपालकों, मछुआरों के हित के साथ कभी समझौता नहीं करेगा : मोदी

प्रधानमंत्री मोदी प्रसिद्ध कृषि वैज्ञानिक एम.एस. स्वामीनाथन की जन्मशती पर वैश्विक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि किसानों के हितों से समझौता नहीं करेंगे.

एजेंसी

श्री मोदी ने कहा कि 21वीं सदी का भारत विकसित राष्ट्र बनने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और यह लक्ष्य समाज के हर वर्ग और हर पेशे के योगदान से हासिल किया जाएगा।प्रधानमंत्री ने कहा कि डॉ. एमएस स्वामीनाथन से प्रेरणा लेते हुए भारत के वैज्ञानिकों के पास अब इतिहास रचने का एक और अवसर है। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिकों की पिछली पीढ़ी ने खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित की और इस बात पर जोर दिया कि वर्तमान ध्यान पोषण सुरक्षा पर केंद्रित होना चाहिए।जन स्वास्थ्य में सुधार के लिए जैव-अनुकूल और पोषण-समृद्ध फसलों को व्यापक स्तर पर बढ़ावा देने का आह्वान करते हुए, श्री मोदी ने कृषि में रसायनों के उपयोग को कम करने समर्थन किया।

नई दिल्ली: पीएम मोदी ने आज कहा कि देश किसानों, मछुआरों और डेयरी किसानों के हितों से कभी समझौता नहीं करेगा. उन्होंने कहा कि वह इसके लिए कोई भी कीमत चुकाने को तैयार हैं. पीएम मोदी ने कहा, 'मेरा व्यक्तिगत तौर पर मानना है कि मुझे इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी और मैं इसके लिए तैयार हूं.' वह दिवंगत प्रख्यात कृषि वैज्ञानिक एम.एस. स्वामीनाथन की जन्म शताब्दी के अवसर पर आयोजित तीन दिवसीय वैश्विक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे. उनकी यह टिप्पणी अमेरिका द्वारा कृषि उत्पादों सहित भारतीय वस्तुओं पर टैरिफ को बढ़ाकर 50 प्रतिशत करने की घोषणा की पृष्ठभूमि में आई है.पीएम मोदी ने इस महान वैज्ञानिक के सम्मान में एक स्मारक सिक्का और डाक टिकट भी जारी किया. वे एक प्रसिद्ध भारतीय आनुवंशिकीविद् और कृषि वैज्ञानिक थे. उन्हें 1960 के दशक में उच्च उपज देने वाली गेहूं की किस्मों और आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाकर भारतीय कृषि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए भारत में 'हरित क्रांति के जनक' के रूप में जाना जाता है. उनके कार्यों ने भारत में खाद्य उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि की और किसानों की गरीबी को कम किया.

राज्यसभा में हंगामे की भेंट चढ़े शून्यकाल और प्रश्नकाल

सोनिया, खरगे और कई अन्य विपक्षी नेताओं ने एसआईआर के खिलाफ संसद परिसर में प्रदर्शन किया

विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) के कई घटक दलों के सांसदों ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का विरोध करते हुए बृहस्पतिवार को संसद भवन परिसर में प्रदर्शन किया।

एजेंसी

विभिन्न मुद्दों पर चर्चा के लिए दिए गए नोटिस आसन द्वारा खारिज किए जाने के विरोध में विपक्षी दलों के सदस्यों के हंगामे के कारण बृहस्पतिवार को राज्यसभा की बैठक शुरू होने के दस मिनट बाद ही दोपहर दो बजे तक स्थगित कर दी गई। हंगामे की वजह से सदन में आज भी शून्यकाल और प्रश्नकाल नहीं हो पाया। उच्च सदन की बैठक शुरू होने पर उपसभापति हरिवंश ने आवश्यक दस्तावेज सदन के पटल पर रखवाए। इसके बाद उन्होंने बताया कि विभिन्न मुद्दों पर नियत कामकाज स्थगित कर चर्चा करने के लिए उन्हें नियम 267 के तहत 25 नोटिस मिले हैं। उपसभापति ने बताया कि ये नोटिस पूर्व में दी गई व्यवस्था के अनुरूप नहीं पाए गए अतः इन्हें खारिज कर दिया गया है। इस पर विपक्षी सदस्यों ने हंगामा शुरू कर दिया। विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) के कई घटक दलों के सांसदों ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का विरोध करते हुए बृहस्पतिवार को संसद भवन परिसर में प्रदर्शन किया। संसद के मकर द्वार के निकट हुए इस विरोध प्रदर्शन में कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, समाजवादी पार्टी, द्रमुक, राष्ट्रीय जनता दल और अन्य दलों के सांसद शामिल हुए।विपक्षी सांसदों ने एक बड़ा बैनर भी ले रखा था, जिस पर डिस्कशन, नॉट डिलीशन (चर्चा करो, नाम नहीं हटाओ) लिखा हुआ था। विपक्षी सांसदों ने मोदी सरकार शर्म करो, शर्म करो और एसएआईआर वापस लो के नारे लगाए।विरोध प्रदर्शन से पहले विपक्षी नेताओं ने संसद भवन परिसर में बैठक की, जिसमें संसद के मानसून सत्र में आगे की रणनीति पर चर्चा की गई।

जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग नहीं रुकेगा :सुप्रीम कोर्ट

सुप्रीम कोर्ट ने उनकी याचिका खारिज की, कैश कांड में कार्रवाई को चुनौती दी थी

जस्टिस वर्मा की याचिका खारिज, आगे 2 संभावनाएं

- इस्तीफा सौंप दें: अगर जस्टिस वर्मा अपने पद से इस्तीफा दे देते हैं तो वह महाभियोग का सामना करने से बच जाएंगे। साथ ही उन्हें रिटायर्ड जज के तौर पर पेंशन भी मिलेगी।
- महाभियोग का सामना करें: जस्टिस वर्मा को अगर महाभियोग के जरिए पद से हटाया जाता है तो उन्हें पेंशन और अन्य लाभ नहीं मिल पाएंगे। हालांकि वे इस्तीफा देने से पहले ही इनकार कर चुके हैं।

एजेंसी

नई दिल्ली, सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा की याचिका को खारिज कर दिया।इस याचिका में जस्टिस वर्मा ने कैश कांड को लेकर उनके खिलाफ की गई कार्रवाई को चुनौती दी थी दरअसल, इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस वर्मा ने उनके घर जले नकदी

नोट मामले में इन-हाउस कमेटी की रिपोर्ट और महाभियोग की सिफारिश रद्द करने की अपील की थी। रिपोर्ट में जस्टिस वर्मा को दोषी ठहराया गया है।संसद में महाभियोग का नोटिस जस्टिस वर्मा के खिलाफ संसद के दोनों सदनों में महाभियोग का नोटिस दिया जा चुका है। मानसून सत्र के दौरान लोकसभा के 152 सांसदों ने जस्टिस वर्मा के खिलाफ लाए गए महाभियोग प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए। वहीं राज्यसभा में 54 सांसदों ने जज के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव का समर्थन किया। हालांकि अब तक किसी भी सदन में इस नोटिस को स्वीकार नहीं किया गया है।

उधमपुर में सेना का वाहन खाई में गिरा, 2 सीआरपीएफ जवानों की मौत, 12 घायल

जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में बड़ी सड़क दुर्घटना हो गई. सीआरपीएफ का एक वाहन गहरी खाई में गिर गया. इसमें सुरक्षाबल सवार थे.

एजेंसी

उधमपुरः जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले के बसंतगढ़ इलाके में गुरुवार को एक भीषण सड़क हादसा हुआ. सीआरपीएफ का एक वाहन गहरी खाई में गिर गया जिससे कम से कम दो सीआरपीएफ जवानों की मौत हो गई और 12 अन्य घायल हो गए. घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है. मृतकों की संख्या बढ़ सकती है. बताया जा रहा है कि वाहन कई सौ फीट नीचे लुढ़क गया. वाहन में 18 जवान सवार थे. यह हादसा बसंतगढ़ इलाके के कंडवा के पास सुबह करीब 10:30 बजे हुआ. उधमपुर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप भट्ट ने बताया कि पुलिस ने मौके पर पहुँचकर बचाव अभियान शुरू किया और सभी घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया. मृतकों की संख्या बढ़ सकती है क्योंकि वाहन कई सौ फीट नीचे लुढ़क गया।

राज्यसभा सांसद कमल हासन ने प्रधानमंत्री मोदी से की मुलाकात, कर दी यह बड़ी मांग

एजेंसी

तमिलनाडु के राज्यसभा सांसद और अभिनेता-राजनेता कमल हासन ने गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। सांसद बनने के बाद यह उनकी पहली मुलाकात थी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बातचीत का विवरण साझा करते हुए, कमल हासन ने कहा कि उन्हें प्रधानमंत्री से मिलने का सौभाग्य मिला और उन्होंने इस अवसर का उपयोग तमिलनाडु के लोगों की ओर से प्रमुख चिंताओं को प्रस्तुत करने के लिए किया।कमल हासन ने लिखा कि आज मुझे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

हमारी नागरिकता छीनने की कोशिश कर रही डबल इंजन सरकार

एसआईआर को लेकर ममता बनर्जी का वार

झारग्राम में जनता को संबोधित करते हुए, उन्होंने कहा कि मैं सोच रही हूँ, क्या हम वाकई आजाद हैं? मुझे उम्मीद है कि हमारी नागरिकता नहीं छीनी जाएगी। कृपया हमें इससे वंचित न करें।अगर उन्हें लगता है कि बांग्लादेशियों, जिहादियों, रोहिंग्याओं, अवैध प्रवासियों और अवैध मतदाताओं की मदद से वह चौथी बार सत्ता में आ सकती हैं, तो उनकी यह गलतफहमी है।

एजेंसी

पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की भाजपा की माँग के बाद, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को डबल इंजन वाली सरकार पर राज्य के लोगों की नागरिकता छीनने की कोशिश करने का आरोप लगाया। झारग्राम में जनता को संबोधित करते हुए, उन्होंने कहा कि मैं सोच रही हूँ, क्या हम वाकई आजाद हैं? मुझे उम्मीद है कि हमारी नागरिकता नहीं छीनी जाएगी। कृपया हमें इससे वंचित न करें।मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि 'डबल इंजन वाली सरकार' नागरिकों को रोहिंग्या बताकर उन्हें हिरासत में लेने और उन्हें वापस बांग्लादेश भेजने की कोशिश कर रही है। उन्होंने जन कल्याण पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय बार-बार अदालत जाने के लिए भाजपा की भी आलोचना की। बनर्जी ने कहा कि डबल इंजन वाली सरकार हमारी नागरिकता छीनने, हमें रोहिंग्या कहकर हिरासत में लेने और हमें वापस बांग्लादेश भेजने की कोशिश कर रही है। भाजपा हमेशा अदालत जाती है। मेरे पास 1912 का एक दस रुपये का नोट है, और वह बंगाली में लिखा है। फिर भी वे दावा करते हैं कि बंगाली भाषा है ही नहीं।इससे पहले, भाजपा सांसद और बंगाल प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने बंगाल की मुख्यमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर उन्हें लगता है कि वे अवैध वोटों की मदद से जीत जाएँगी, तो यह उनकी गलतफहमी है।

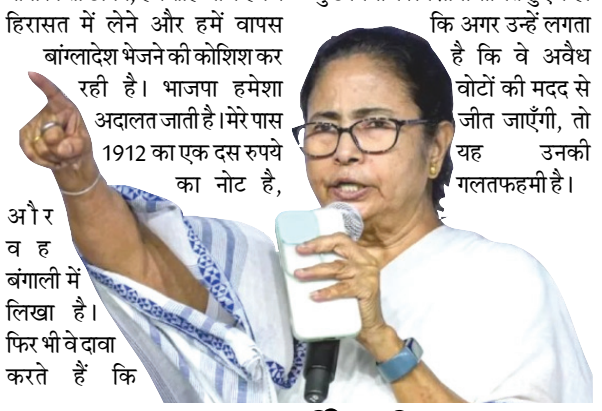

तंज | ट्रंप के टैरिफ को लेकर तेजस्वी यादव का तंज

अमेरिका की धुन पर नाच रहे हैं पीएम मोदी

एजेंसी

नयी दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा 50 प्रतिशत टैरिफ लगाए जाने के बीच, राजद नेता तेजस्वी यादव ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला। यादव ने इस मुद्दे पर मोदी की चुप्पी की आलोचना की और कहा कि प्रधानमंत्री कमजोर हो गए हैं। उन्होंने उन पर अमेरिका के इशारों पर नाचने का आरोप लगाया। पत्रकारों से बात करते हुए, राजद नेता ने कहा कि आप सभी देख रहे हैं कि इस देश में सरकार कैसे काम कर रही है। ट्रंप ने 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया। ट्रंप 28 बार कह चुके हैं कि उन्होंने युद्धविराम कराया। प्रधानमंत्री ने अभी तक अपनी चुप्पी नहीं तोड़ी है। मोदी पर तंज कसते हुए राजद नेता ने कहा कि प्रधानमंत्री ने अभी तक यह नहीं कहा है कि डोनाल्ड ट्रंप झूठ बोल रहे हैं। प्रधानमंत्री इतने कमजोर हो गए हैं कि अमेरिका के इशारों पर नाच रहे हैं। 50 प्रतिशत टैरिफ से देश को बहुत नुकसान होगा, और कोई इस पर बोल नहीं रहा है। सब चुप हैं। ये लोग देश को नुकसान पहुँचाएँगे और फिर बिहार जाकर कहेंगे, 'देखो, हम विश्वगुरु बन गए हैं। 6 अगस्त को, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत से आयात पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाने वाले एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए। व्हाइट हाउस द्वारा जारी आदेश के अनुसार, ट्रंप ने इस वृद्धि के लिए

पत्रकारों से बात करते हुए, राजद नेता ने कहा कि आप सभी देख रहे हैं कि इस देश में सरकार कैसे काम कर रही है। ट्रंप ने 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया। ट्रंप 28 बार कह चुके हैं कि उन्होंने युद्धविराम कराया। प्रधानमंत्री ने अभी तक अपनी चुप्पी नहीं तोड़ी है।

राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति संबंधी चिंताओं के साथ-साथ अन्य प्रासंगिक व्यापार कानूनों का हवाला दिया और दावा किया कि भारत द्वारा रूसी तेल का आयात, प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से, संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए एक असामान्य और असाधारण खतरा है। इस आदेश के बाद, भारतीय वस्तुओं पर कुल शुल्क 50 प्रतिशत हो जाएगा। प्रारंभिक शुल्क 7 अगस्त से प्रभावी होगा, जबकि अतिरिक्त शुल्क 21 दिनों के बाद लागू होगा और अमेरिका में आयातित सभी भारतीय वस्तुओं पर लगाया जाएगा, सिवाय उन वस्तुओं के जो पहले से ही पारगमन में हैं या विशिष्ट छूट प्राप्त हैं।

इसके अलावा, यादव ने कथित डुप्लिकेट एपिक नंबरों के संबंध में चुनाव आयोग से मिले नोटिस पर कहा कि उन्हें आयोग से कोई नोटिस नहीं मिला है। उन्होंने आगे कहा कि अगर दो एपिक नंबर जारी किए जाते हैं, तो यह जारी करने वाले प्राधिकारी की ज़िम्मेदारी होगी।

ममता बनर्जी की सरकार में कानून-व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो गई है: नड्डा

नड्डा ने कहा कि उन्होंने अधिकारी से बात की और स्थिति का जायजा लिया। भाजपा अध्यक्ष ने कहा, अगर पश्चिम बंगाल में विपक्ष का नेता सुरक्षित नहीं है तो आम लोगों की दुर्दशा की केवल कल्पना ही की जा सकती है।

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने पश्चिम बंगाल में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी के काफिले पर राज्य पुलिस की मौजूदगी में हुए हमले के लिए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की बृहस्पतिवार को आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि यह घटना राज्य में उनकी सरकार में कानून-व्यवस्था के पूरी तरह से ध्वस्त होने को दर्शाती है। नड्डा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, अराजकता और राजनीतिक हिंसा की इस संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए ममता बनर्जी को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। पश्चिम बंगाल में महिलाओं के खिलाफ अपराधों को लेकर निकाली गई भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की रैली पर कुछ लोगों ने बुधवार को कथित रूप से पथराव किया और काले झंडे दिखाए। भाजपा ने इस घटना के लिए सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को जिम्मेदार ठहराया है। नड्डा ने कहा, मैं पश्चिम बंगाल के नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी के काफिले पर कूचबिहार में तृणमूल के गुंडों द्वारा किए गए हमले की कड़ी निंदा करता हूं। इससे भी ज्यादा चिंताजनक बात यह है कि यह हमला राज्य पुलिस की मौजूदगी में हुआ जो ममता बनर्जी की सरकार में कानून-व्यवस्था के पूरी तरह से ध्वस्त होने की बात को स्पष्ट रूप से दर्शाता है।

सम्पादकीय

आपदाओं से जूझता उत्तराखंड, मौसम के पूवार्नुमान की प्रणाली भी सुदृढ़ बनाई जानी चाहिए

उच्च हिमालयी क्षेत्र में धराली जैसी घटनाओं का गहन अध्ययन जरूरी है। चूंकि आपदाओं में नदी के निकट निर्माण को सबसे अधिक नुकसान होता है। इसलिए सीढ़ीदार खेतों और नदी तलों में निर्माण से बचा जाना चाहिए। पहाड़ों पर मौसम के पूवार्नुमान की प्रणाली सुदृढ़ बनाई जानी चाहिए। इससे वर्षा पैटर्न में होने वाले परिवर्तनों को अधिक प्रभावी ढंग से समझने में मदद मिलेगी। उत्तरकाशी जिले के धराली में भीषण बाढ़ आने से खीरगंगा नदी उफान पर आ गई और पहाड़ी इलाकों में टनों मलबा नदी किनारे आ गया। इससे व्यापक जनधन हानि हुई। अभी इसका आकलन करना कठिन है कि यह हानि कितनी बड़ी है। यह ध्यान रहे कि 5 अगस्त को ही कुछ और स्थानों पर बादल फटने से तबाही हुई। इनमें पर्यटन स्थल हर्षिल भी है। तबाही इसलिए ज्यादा हुई, क्योंकि नियम-कानूनों की अनदेखी कर तमाम निर्माण कर लिए गए थे। धराली में सड़कें, इमारतें और दुकानें डूब गईं। हिमालय, टेक्टोनिक रूप से सक्रिय दुनिया की सबसे युवा और सबसे नाजुक पर्वत प्रणाली है। यह क्षेत्र उच्च ढाल और अनिश्चित मौसम के कारण कई उच्च पर्वतीय खतरों से ग्रस्त है। भूकंप और अचानक बाढ़, चट्टान गिरने सहित विभिन्न प्रकार के भूस्खलन, मलबा प्रवाह और हिमनद झील विस्फोट बाढ़ जैसी प्रक्रियाएं हिमालय में सबसे आम खतरे हैं। इनसे मानव जीवन और बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान होता है ।मानसून (जून से सितंबर) के दौरान अत्यधिक वर्षा के कारण अचानक बाढ़ और भूस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाएं आमतौर पर होती रहती हैं। अध्ययनों के अनुसार, हाल के दशकों में हिमालय में ऐसी आपदाओं की संख्या और आवृत्ति में वृद्धि हुई है। हिमालय के ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने और इन क्षेत्रों में (3000 मीटर से ऊपर) भारी वर्षा के कारण आसपास की ढलानें और हिमनद (ग्लेशियर) अस्थिर हो जाते हैं। हिमनद से बनी कई झीलें और फैलती हैं, जिससे खतरे बढ़ते हैं। हाल में, पृथ्वी विज्ञानियों और नीति निमार्ताओं ने लगातार गर्म दिनों और भारी वर्षा जैसी घटनाओं पर ध्यान केंद्रित किया है, ताकि उनके कारणों और परिणामों को समझा जा सके। यद्यपि उच्च पर्वतीय जलवायु और भू-भाग की स्थितियों में अंतर और हिमालय में दीर्घकालिक जलवायु डेटा के सघन नेटवर्क की कमी के कारण, विज्ञानी अभी भी पूरी तरह से यह नहीं समझ पाए हैं कि ग्लोबल वार्मिंग ऐसी घटनाओं की तीव्रता और आवृत्ति को किस प्रकार प्रभावित करती है। उत्तराखंड भारत के हिमालयी राज्यों में से एक है, जहां प्राकृतिक आपदाओं का लंबा इतिहास रहा है। इन आपदाओं से निचले इलाकों में रहने वाली आबादी और बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचता है।

आज का विचार

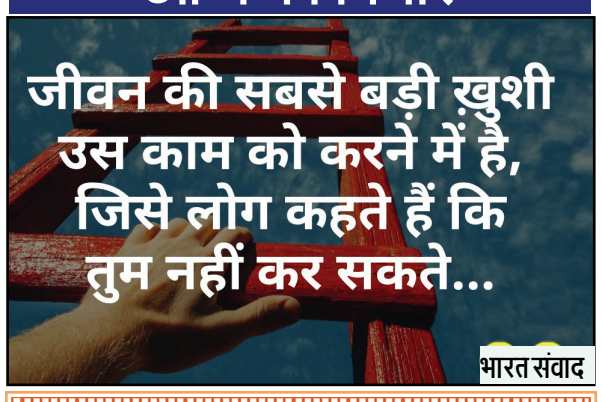

मेष राशि: कार्यक्षेत्र में आपको सफलता प्राप्त करने के लिए अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है। किसी व्यक्ति के सहयोग मिलने से आपका जरूरी काम भी पूरा हो सकता है जिससे मन प्रसन्न रहेगा। कार्यस्थल पर विरोधी आपका कुछ नहीं बिगाड़ पाएंगे। आपको कुछ मामलों में नई योजनाएं भी बनानी पड़ सकती हैं।

वृषभ राशि: आपको किसी भी काम में ज्यादा उत्साह और जल्दबाजी दिखाने से बचना होगा। ऐसा करने से बनता हुआ कार्य भी बिगड़ सकता है और आपको समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। कुछ आर्थिक और पारिवारिक समस्याओं के चलते भी आपकी परेशानी बढ़ सकती और तनाव का सामना भी करना होगा।

मिथुन राशि: आर्थिक मामलों में आपको अप्रत्याशित लाभ प्राप्त हो सकता है और समाज में मान-सम्मान में भी वृद्धि होगी। इससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। लेकिन लेन-देन के समय सावधानी बरतनी होगी, अन्यथा आपका कोई काम बिगड़ सकता है।

कर्क राशि: कार्यक्षेत्र में आपको अपनी मेहनत से मनचाहा लाभ प्राप्त हो सकता है। कामकाज के सिलसिले में आपको दूर की यात्रा करनी पड़ सकती है। अगर आपके कुछ जरूरी काम अधूरे पड़े हैं, तो अब उन्हें समय पर पूरा करना जरूरी होगा अन्यथा नुकसान हो सकता है।

सिंह राशि: कारोबार के मामले में धीरे-धीरे आपके सारे काम बनते जाएंगे, जिससे मानसिक तनाव भी काफी हद तक कम होगा। व्यापार में लाभ कमाने के अवसर मिलेंगे और अच्छे दिनों की शुरूआत के संयोग भी बन रहे हैं। जिससे आपके जीवन में खुशियां आएंगी।

कन्या राशि : आपको कार्यक्षेत्र में कामकाज से जुड़े कई शुभ समाचार सुनने को मिल सकते हैं, जिससे मन प्रसन्न रहेगा और बिगड़े काम भी धीरे-धीरे बनने लगेंगे। आपको उन कार्यों पर भी ध्यान देना होगा जिनको इस समय पूरा करना महत्वपूर्ण होगा। परिवार में संतान को लेकर थोड़ा चिंतित रह सकते हैं।

तुला राशि : आपका दिन कारोबार के मामले में अच्छा रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में आप बेहद अच्छा काम करेंगे और आसपास के लोगों पर भी गहरा प्रभाव छोड़ेंगे।

वृश्चिक राशि: कार्यक्षेत्र में मुश्किल काम आज आसानी से पूरे हो सकते हैं और लाभ कमाने के भी कई अवसर प्राप्त होंगे। इससे आपके धन में भी वृद्धि हो सकती है। नौकरी करने वालों का दिन भी अच्छा रहने वाला है। लेकिन किसी बात को लेकर सिर दर्द या मानसिक तनाव का सामना करना पड़ सकता है।

धनु राशि : आपको किसी वाहन या आवास से जुड़ी समस्या का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में सोच-समझकर फैसले लेना बेहतर रहेगा। व्यापार में आपको कोई शुभ संदेश प्राप्त हो सकता है, जिससे उत्साह बढ़ेगा और मित्रों का सहयोग मिलने से भी मन प्रसन्न रहेगा।

मकर राशि: कार्यक्षेत्र में आप कामकाज के सिलसिले में नई योजनाएं भी बना सकते हैं, जिसमें मित्रों का सहयोग भी प्राप्त होगा। इससे आपके सोचे हुए कार्य पूरे हो सकते हैं और विरोधियों से भी छुटकारा मिल सकता है। आपको परिवार में किसी प्रॉपर्टी से जुड़े विवाद को सुलझाने की भी जरूरत पड़ सकती है। नौकरी करने वालों का दिन सामान्य रहने वाला है।

कुंभ राशि : आपको अपने किसी प्रोजेक्ट में सफलता प्राप्त हो सकती है या योजनाएं भी सफल हो सकती हैं, जिससे आर्थिक लाभ कमाने के कई अवसर प्राप्त होंगे। आपको अपने मामा की ओर से भी कोई लाभ प्राप्त हो सकता है और घर में पुराने मित्र मिलने आ सकती है।

मीन राशि: आपका दिन लाभकारी रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में आप मधुर वाणी और व्यवहार से परिस्थिति को अनुकूल बनाए रख सकते हैं। अगर कामकाज में कोई समस्या आ रही थी तो अब वह दूर हो सकती है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। साथ ही, विरोधी आपके काम से हैरान रह जाएंगे।

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

पीएम मोदी की चीन यात्रा, अविश्वास की खाई होगी कम?

चीन अरुणाचल प्रदेश और कश्मीर पर भी बेजा टिप्पणियां करता रहता है लेकिन दलाई लामा पर भारत की उचित प्रतिक्रिया भी सुनने को तैयार नहीं। चीन से सावधान रहने में ही भलाई है। भारत के लिए यह तो आवश्यक है कि वह अमेरिकी राष्ट्रपति के अनुचित दबाव में आने से इन्कार करे लेकिन इसका यह अर्थ भी नहीं हो सकता कि वह चीन के साथ खड़ा हो जाए।

पा शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में शामिल होने के लिए प्रधानमंत्री मोदी का चीन जाने का फैसला मात्र यह नहीं बता रहा कि भारत और चीन के बीच अविश्वास की खाई कुछ पटी है। यह इसका भी साफ संकेत है कि भारत ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की बेतुकी टैरिफ नीति और भारत विरोधी रवैये का अपने तरीके से जवाब देने की तैयारी कर रखी है। इसका प्रमाण राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल का तब रूस पहुंचना है, जब ट्रंप के विशेष दूत भी वहां गए हैं। ट्रंप के आगे न झुकने का स्पष्ट संदेश देना जरूरी था, क्योंकि वह अपनी हद पार कर गए हैं। वे मनमाना व्यापार समझौता करने के लिए भारत को चिढ़ाने, नीचा दिखाने और वर्षों की मेहनत से बने दोनों देशों के दोस्ताना संबंधों को ध्वस्त करने में जुटे हैं। यह अच्छा है कि भारत अपनी तरह से ट्रंप को बता रहा है कि बहुत हो चुका और अब उनकी मनमानी सहन नहीं की जाएगी। यदि अमेरिका सबसे शक्तिशाली देश है तो इसका यह मतलब नहीं कि भारत कुछभी नहीं। ट्रंप को शायद यह सीखना शेष है कि दो देशों के संबंध बराबरी के आधार पर और कुछले-देकर ही बनते हैं। ट्रंप तो केवल भारत से लेना ही चाहते हैं। उन्हें यह जल्दी समझ आ जाए तो अमेरिका और विश्व के लिए अच्छा कि आत्मविश्वास से भरे भारत को दबाया नहीं जा सकता। यदि भारत को अमेरिका की जरूरत है तो उसे भी हमारी आवश्यकता है। यह सही है कि अमेरिका से पीड़ित चीन भी भारत से संबंध सुधारना चाहता है, लेकिन इसकी अनदेखी बिल्कुल भी नहीं की जानी चाहिए कि वह भारतीय हितों के प्रति संवेदनशील नहीं। चीन अपने हितों की पूर्ति के लिए भारत का साथ तो चाहता है, लेकिन भारतीय हितों के खिलाफ काम करने से बाज भी नहीं आ रहा है। बात चाहे पहलगाम में आतंकी हमले को लेकर पाकिस्तान की भाषा बोलने की हो अथवा आपरेशन सिंदूर के दौरान उसकी खुले-छिपे रूप से मदद करने की, भारत को उस पर भरोसा नहीं करना चाहिए। बहुत दिन नहीं हुए जब एससीओ रक्षा मंत्रियों की बैठक में चीन ने बेशर्मी दिखाते हुए पहलगाम आतंकी हमले की निंदा करने वाले साझा बयान पर सहमति देने से इन्कार कर दिया था। इसके जवाब में भारत ने उस पर हस्ताक्षर करने से मना कर दिया था। चीन अरुणाचल प्रदेश और कश्मीर पर भी बेजा टिप्पणियां करता रहता है, लेकिन दलाई लामा पर भारत की उचित प्रतिक्रिया भी सुनने को तैयार नहीं। चीन से सावधान रहने में ही भलाई है। भारत के लिए यह तो आवश्यक है कि वह अमेरिकी राष्ट्रपति के अनुचित दबाव में आने से इन्कार करे, लेकिन इसका यह अर्थ भी नहीं हो सकता कि वह चीन के साथ खड़ा हो जाए। सच तो यह है कि भारत को न तो चीन पर निर्भर होना चाहिए और न ही रूस पर। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में शामिल होने के लिए प्रधानमंत्री मोदी का चीन जाने का फैसला मात्र यह नहीं बता रहा कि भारत और चीन के बीच अविश्वास की खाई कुछ पटी है। यह इसका भी साफ संकेत है कि भारत ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की बेतुकी टैरिफ नीति और भारत विरोधी रवैये का अपने तरीके से जवाब देने की तैयारी कर रखी है। इसका प्रमाण राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल का तब रूस पहुंचना है, जब ट्रंप के विशेष दूत भी वहां गए हैं। ट्रंप के आगे न झुकने का स्पष्ट संदेश देना जरूरी था, क्योंकि वह अपनी हद पार कर गए हैं। वे मनमाना व्यापार समझौता करने के लिए भारत को चिढ़ाने, नीचा दिखाने और वर्षों की मेहनत से बने दोनों देशों के दोस्ताना संबंधों को ध्वस्त करने में जुटे हैं।

ट्रंप की धमकी बनाम राष्ट्रीय हित सर्वोपरि, भारत फर्स्ट की नीति

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

वैश्विक स्तरपर आज दुनियाँ का हर देश ट्रंप के राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने के बाद से उनके द्वारा दिए गए विभिन्न बयानों व व्यवहार से सख़्ती में है व सोचनें के लिए मजबूर है कि, वह क्या करें? क्योंकि ट्रंप चुनावी वादों अमेरिका फर्स्ट, व मेक अमेरिका ग्रेट अगेन के लिए वित्त के विभिन्न स्त्रोतों का जुगाड़ कर रहे हैं, वह भी एक नए अंदाज में, टैरिफ का दबाव बनाकर! उन देशों को अपनी शर्तों, मांगों को मानने पर विवश कर रहे हैं, यह हमने देखे कि चीन पर 145 परसेंट तो कनाडा और पूरे यूरोपीय यूनियन तक सभी देशों में टैरिफ के माध्यम से दबाव का का खेला खेलने को हम देख रहे हैं, अब 1 अगस्त से भारत पर 25 परसेंट टैरिफ की घोषणा, फिर उसे संशोधन कर 7 अगस्त तक बढ़ाया जाना, फिर आज मंगलवार 5 अगस्त 2025 को देर शाम उन्होंने कहा कि भारत रूस से तेल लेकर अप्रत्यक्ष रूप से रूस यूक्रेन युद्ध में वित्तीय फंडिंग के रूप में मदद कर रहा है, उसे रुस से तेल खरीदना बंद करना होगा। अमेरिका अगले 24 घंटे में भारत पर टेरिफ बढ़ा देगा।मैं एडवोकेट किशन सनमुख दास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं, चूँकि वह दिन अब लग गए जब भारत पर दबाव बनाकर उसके अटल इरादों को डगमगा दिया जाता था, अब भारत इतना आगे बढ़ चुका है कि वह अपनी मर्जी, अपने दम व अपनी शर्तों पर राष्ट्रहित सर्वोपरि पर काम करेगा, यानें मेक इन इंडिया व विजन 2047 को ध्यान में रखते हुए ही राष्ट्रहित में रणनीति बनाकर काम किया जाएगा। बता दें ट्रंप मेक अमेरिका ग्रेट अगेन व अमेरिकी फर्स्ट की नीति पर चल रहे हैं, जो उनके चुनावी वादे का एक हिस्सा है।अब भारत अमेरिका दोनों देश अपने राष्ट्र को ग्रेट बनाना चाहते हैं, जो अच्छी बात है। परंतु इसके लिए दबाव नीति रूपी अस्त्र का उपयोग करना उचित मानदंडों के खिलाफ है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे अमेरिका व यूरोपीय यूनियन द्वारा रुस पर लगाए प्रतिबंधों के बावजूद प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से ऊर्जा खरीद रहे हैं, तो भारत के साथ ऐसा प्रस्ताव क्यों? साथियों बात अगर हम ट्रंप की धमकी को ऊर्जा, राजनीति व दबाव की रणनीतिक कड़ी के रूप में देखें तो, ट्रंप की धमकी और अमेरिका का वास्तविक रुख:- डोनाल्ड ट्रंप ने 31 जुलाई और 5 अगस्त 2025 को दो बार भारत को धमकाया कि यदि रूस से तेल खरीदना बंद नहीं किया गया तो अमेरिका भारत पर 24 घंटे के भीतर बहुत बड़े टैरिफ लगा देगा।उन्होंने भारत पर आरोप लगाया कि वह:सस्ता तेल रूस से खरीदता है, उसे अंतरराष्ट्रीय बाजार में ऊँचे दामों पर बेचता है, और इस प्रकार युद्ध को फंड कर रहा है।लेकिन इस कथन में दो प्रमुख विरोधाभास हैं: (1) संयुक्त राज्य अमेरिका स्वयं 2024-25 में दुनिया का सबसे बड़ा तेल निर्यातक बन चुका है। (2) अमेरिका ने यूरोप को ऊर्जा आपूर्ति के लिए बड़े समझौते किए हैं जो रूस की जगह लेने के नाम पर खुद लाभ कमा रहे हैं।भारत पर अमेरिका की तेल नीति और शुल्क धमकी:-डोनाल्ड ट्रंप ने 31 जुलाई और 4-5 अगस्त 2025 को दोहराकर स्पष्ट किया कि भारत की रूस से तेल खरीद को वह युद्ध मशीन को ईंधन देना मानते हैं, और इस वजह से भारत से आयात पर 25परसेंट से कहीं अधिक बहुत बड़ी टैरिफ वृद्धि करेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत रूस से तेल खरीदकरडिस्काउंट पर और फिर उसे ओपन मार्किट में मुनाफे के लिए बेचता है, रेउटर्स और इंडिया टाइम्स सहित रिपोर्टों के अनुसार, जनवरी-जून 2025 में भारत की कुल तेल खपत का लगभग 36-40 पेर्सेंट हिस्सा रूस से आया था अमेरिका और यूरोप स्वयं कितना तेल खरीद रहे हैं?यूरोपीय संघ:यूरोस्टात के आंकड़ों के अनुसार अर्ली 2025 तक ईयू ने पेट्रोलियम ऑयल आयात में मार्च-2021 की तुलना में मूल्य में प्त56 पेर्सेंट वृद्धि, मात्रा में थोड़ा प्त+0.3 पेर्सेंट बढ़ोतरी दर्ज की-हालांकि 2022 के बाद क्रमशः दोनों में गिरावट आई है।2024 में ईयू ने अमेरिका से करीब 76 बिलियन मूल्य एलएनजी, पेट्रोलियम और कोयला आयात किया-कुल यूएस ऊर्जा निर्यात $ 318?बिलियन में से ईयू का हिस्सा लगभग 24 पेर्सेंट था।यूरोप को आपूर्ति में यूएस का हिस्सा 2024 में एलएनजी में प्त44पेर्सेंट, तेल में प्त15.4पेर्सेंट था अमेरिका:- -अमेरिका ने 2024 में रोजाना औसतन 4.1 मिलियन बैरल/दिन क्रूड ऑयल निर्यात किया – 2023 से नए रिकॉर्ड को पार करते हुए यूरोपीय देशों में सबसे ज्यादा रॉ डिलीवरी नॅदरलैंड को (लगभग 8.25 लाख ब/दिन), फिर जर्मनी, यूके आदि को हुई। उसी वर्ष भारत को अमेरिका की क्रूड ऑयल निर्यात में 32 पेर्सेंट की वृद्धि हुई- रूस से सस्ता तेल मिलने पर भी, भारत यूएस. क्रूड को भरपूर स्थान दे रहा है: लगभग 55,000 बैरल/दिन की बढ़ोतरी। साथियों बात अगर हम ट्रंप द्वारा भारत की रणनीतिक स्वायतःता पर प्रश्न खड़ा करने की करें तो, ट्रंप ने कहा कि अगले 24 घंटे में (5-6 अगस्त 2025 तक) भारत पर आयात टैरिफ बहुत बड़े पैमाने पर बढ़ा सकते हैं, वर्तमान में 25 पेर्सेंट के स्थान पर 50 पेर्सेंट, 100 पेर्सेंट, या उससे भी ज्यादा तक।यूएस. कांग्रेस में सैंक्शनिंग रूस एक्ट ऑफ 2025 प्रस्तावित है, जिसमें ऐसे देशों पर 500 पेर्सेंट सेकेंडरी टैरिफ लगाने का अधिकार राष्ट्रपति को दिया गया है जो रूसी ऊर्जा आयात करते हैं (विशेष रूप से भारत, चीन) यह बिल लिंडसे ग्राहम और रिचर्ड ब्लूमेंथाल द्वारा लाया गया है और समर्थन प्राप्त कर रहा है।द्विपक्षीय संबंधों और आर्थिक प्रभाव यह तनाव, केवल तेल-सम्बंधित नहीं-भारत और यूएस के बीच व्यापार और विदेश नीति पर गहरा प्रभाव डाल रहा है, जिसमें कृषि और रक्षा संबंध शामिल हैं रेटिंग एजेंसीयों ने अनुमान लगाया कि रेसिपीरोकल टैरीफज से भारत को $ 7-18?बिलियन वार्षिक नुकसान हो सकता है, और जीडीपी वृद्धि रेट में मामूली गिरावट (प्त0.2पेटसेंट) आ सकती है जबकि तेल और ऊर्जा लागत में $11?बिलियन तक का इजाफा हो सकता है।लेकिन भारत की नई उद्यमशील (स्टार्टअपस) और बुनियादी व्यापारिक भरोसा अभी भी मजबूत बना हुआ है-उन्होंने भविष्य के लिए भारत में निवेश यकीनी माना है। संयुक्त दृष्टिकोण: अमेरिका और ईयू-जहाँ खुद ब्लॉक को रूसी ऊर्जा आयात से दूर करने की योजना चल रही है-वह सीमित दायरे में भारत पर ही कठोर हैं। यह विश्व राजनीति में भारत की रणनीतिक स्वायत्तता पर प्रश्न खड़े करता है।ऊर्जा नीति:-भारत को ऊर्जा सुरक्षा के लिए विविध स्त्रोतों से तेल प्राप्त करना महत्त्वपूर्ण है, हालाँकि यूएस. से निर्यात बढ़ना एक अवसर है लेकिन वो रूस से प्राप्त सस्ते स्त्रोत की जगह तुरंत नहीं ले सकते। राजनीतिक संतुलन:-ट्रंप प्रशासन का रुख, हालाँकि चाइना, पाकिस्तान को भी थोड़ा अलग तरीके से देखा-दिल्ली को मुश्किल चुनाव करना होगा

यूथ में बढ़ता जुनून सेल्फी: सावधान, जान की कीमत पर कतई नहीं

सुरेश सिंह बैस शाश्वत

आजकल सेल्फी लेने की होड़ में लोग खासकर युवा, अक्सर अपनी जान की परवाह किए बिना खतरनाक जगहों पर जाकर तस्वीरें लेने की कोशिश करते हैं। यह प्रवृत्ति न सिर्फ खतरनाक है, बल्कि समाज में एक गलत संदेश भी देती है। जिंदगी को दांव पर लगाकर महज एक सेल्फी के लिए अपनी जान जोखिम में डालना या असमय मौत को आमंत्रण देने की घटनाएं आजकल प्राय कहीं भी चाहे देश हो या विदेश यदा कदा सेल्फी के चक्कर में मौत मौत हो जाने की घटनाएं होनी आम हो चुकी है। पर्यटकों को समझना होगा कि जीवन की कीमत किसी भी मनोरंजक गतिविधि से कहीं अधिक है। प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लें, लेकिन सुरक्षा को सर्वोपरि रखें। मानसून की आहट के साथ विभिन्न प्रदेशों का प्राकृतिक सौंदर्य अपने चरम पर होता है। जलप्रपात, नदियां और नाले उफनते हुए एक मनमोहक दृश्य प्रस्तुत करते हैं, जो पर्यटकों को अपनी ओर खींचते है। इस प्राकृतिक वैभव को निहारने के लिए बड़ी संख्या में लोग जुटते हैं, लेकिन यही आकर्षण अक्सर दुर्घटनाओं का सबब बन जाते है। हाल ही में रायपुर की एक युवती का गरियाबंद के जलप्रपात में जान गंवाना इसी दुखद कड़ी का हिस्सा है। मानसून में ऐसी खबरें आम हो जाती हैं। प्रशासन की चेतावनी को अक्सर पर्यटक नजरअंदाज कर देते हैं। तेज बहाव, फिसलन भरी चट्टानें और पानी की गहराई का गलत अनुमान दुर्घटनाओं का मुख्य कारण बनता है। सेल्फी लेने की होड़ या सिर्फ रोमांच के लिए लोग खतरनाक जगहों पर चले जाते हैं, जिससे अचानक आई बाढ़ या पैर फिसलने से गंभीर परिणाम सामने आते हैं। इस समस्या से निपटने के लिए सुरक्षा उपायों को मजबूत करना आवश्यक है। जलप्रपातों के पास प्रशिक्षित गार्ड तैनात किए जाने चाहिए। खतरनाक क्षेत्रों में चेतावनी बोर्ड और सुरक्षा घेरा बनाना चाहिए। इसके साथ ही जीवन रक्षक सुविधाओं से लैस एंबुलेंस की तैनाती सुनिश्चित की जानी चाहिए। जन जागरूकता अभियान को भी तेज करने की जरूरत है। स्कूलों और कालेजों में भी इन सावधानियों पर जोर देने वाले अभियान चलाए जाने चाहिए। पर्यटकों को समझना होगा कि जीवन की कीमत किसी भी मनोरंजक गतिविधि से कहीं अधिक है। प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लें, लेकिन सुरक्षा को सर्वोपरि रखें महज एक सेल्फी के लिए कुछ जगहें जहां लोग जान जोखिम में डालते हैं जैसे-1. ऊँची पहाड़ियां या चट्टानें जैसे कि पहाड़ की धार या खाई के किनारे।2. चलती ट्रेन के पास या ऊपर रेलवे ट्रैक या डिब्बों के पास खड़े होकर।3. समुद्र की लहरों के बीच या झरनों के पास - जहाँ फिसलने या बह जाने का खतरा हो।4. उचाई वाली इमारतों की छतों पर बिना सुरक्षा के।5. वाइल्डलाइफ या खतरनाक जानवरों के साथ जैसे शेर, हाथी या साँप के करीब जाकर।जिंदगी अनमोल है: एक फोटो के लिए जान जोखिम में डालना समझदारी नहीं है। परिवार और समाज प्रभावित होता है: दुर्घटनाओं से परिवारों को अपार दुख और पीड़ा झेलनी पड़ती है। अन्य युवाओं को गलत प्रेरणा मिलती है: सोशल मीडिया पर दिखावा दूसरों को भी जोखिम उठाने के लिए उकसाता है। इसके लिए कई कार्य किया जा सकते हैं जैसे- जनजागरूकता फैलाना: स्कूलों, कॉलेजों और सोशल मीडिया पर अभियान चलाकर इस विषय पर जागरूकता। खतरनाक जगहों पर चेतावनी बोर्ड लगाना: ₹नो सेल्फी जोन₹ जैसे संकेत। परिवार और मित्रों की भूमिका: यदि कोई व्यक्ति जोखिम भरी जगह पर सेल्फी लेने की कोशिश करे, तो उसे रोका जाए। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स की जिम्मेदारी: जोखिम भरे कंटेंट को प्रमोट न किया जाए।

महाराष्ट्र निकाय चुनावों में गठबंधन से पहले यह चुनाव मिलकर लड़ेंगे ठाकरे ब्रदर्स

मनसे चीफ राज ठाकरे और शिवसेना यूबीटी उद्धव ठाकरे ने गठबंधन की दिशा में पहला कदम बढ़ा दिया है। मुंबई में यूनियन के बड़े चुनाव को दोनों दलों ने साथ मिलकर लड़ने की तैयारी की है। शिवसैनिक इसे शुभ संकेत मान रहे हैं। दोनों भाईयों के बीच पिछले दो महीने में नजदीकी बढ़ी है।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई: महाराष्ट्र में अक्टूबर के अंत से स्थानीय निकाय चुनावों की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। इसमें मुंबई के प्रतिष्ठापूर्ण बीएमसी चुनाव भी शामिल हैं। स्थानीय निकाय चुनावों में ठाकरे ब्रदर्स के बीच गठबंधन होने की संभावना जताई जा रही है। इस दिशा में दोनों भाईयों ने पहला कदम बढ़ा दिया है। मुंबई में उद्धव ठाकरे की अगुआई वाली यूबीटी और राज ठाकरे की मनसे बेस्ट पतपेढ़ी (क्रेडिट सोसायटी) का चुनाव मिलकर लड़ेंगे। बेस्ट पतपेढ़ी का चुनाव 18 अगस्त को होना है। इस चुनाव में उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली यूबीटी की बेस्ट कामगार सेना और मनसे कर्मचारी सेना मिलकर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे है। इसके लिए उम्मीदवारों का एक एकीकृत 'उत्कर्ष पैनल' खड़ा किया है। दोनों पार्टियों के नेताओं का कहना है कि ऐसा गठबंधन का औपचारिक ऐलान होने तक के लिए किया गया है। मुंबई में बीएमसी चुनावों के तीसरे और अंतिम चरण में होने की संभावना है। पिछले महीने पांच जुलाई को दोनों भाईयों ने दो दशक बाद एक मंच पर उपस्थिति दी थी। इसमें दोनों भाईयों ने महाराष्ट्र और मराठी अस्मिता का हवाला दिया था। इसके बाद दोनों के बीच की दूरी कम हुई है। उद्धव को जन्मदिन की बधाई देने के लिए खुद राज ठाकरे मातोश्री पहुंचे थे। कांग्रेस की तरफ से पहले ही इस बात के संकेत दिए जा चुके हैं कि अगर उद्धव की यूबीटी इंडिया अलायंस में रहते हुए

झूठ बोलकर अपनी हार छिपाने की कर रहे कोशिश..., राहुल गांधी के आरोपों पर फडणवीस का पलटवार

कांग्रेस नेता पर तंज कसते हुए फडणवीस ने कहा कि वह जानते हैं कि भविष्य में भी उनकी हार होगी...वह देश की संवैधानिक संस्थाओं की छवि खराब कर रहे हैं...मैं इसकी निंदा करता हूं और जनता उन्हें आने वाले चुनावों में सबक सिखाएगी।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा चुनाव आयोग पर लगाए गए आरोपों पर महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने पलटवार किया है। फडणवीस ने कहा कि न तो महाराष्ट्र में और न ही देश के किसी अन्य हिस्से में वोटों की चोरी हुई है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि राहुल गांधी बस झूठ बोल रहे हैं और जनता का जनादेश चुरा रहे हैं। उनके आंकड़े भी बदलते रहते हैं। पिछली बार उन्होंने कहा था कि महाराष्ट्र में 75 लाख वोट बढ़े हैं। अब वह कह रहे हैं कि एक करोड़ वोट बढ़े हैं। वह झूठ बोलकर अपनी हार छिपाने की कोशिश कर रहे हैं। कांग्रेस नेता पर तंज कसते हुए फडणवीस ने कहा कि वह जानते है कि भविष्य में भी उनकी हार होगी...वह देश की संवैधानिक संस्थाओं की छवि खराब कर रहे हैं...मैं इसकी निंदा करता हूं और जनता उन्हें आने वाले चुनावों में सबक सिखाएगी। इससे पहले राहुल गांधी ने कर्नाटक के एक विधानसभा क्षेत्र का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर धांधली करके भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को फायदा पहुंचाया गया। उन्होंने वोट चोरी शीर्षक से संवाददाताओं के समक्ष कर्नाटक के महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र के मतदाता सूची से आंकड़ों की प्रस्तुति दी और धांधली का दावा किया। राहुल गांधी ने कहा कि चुनाव धांधली के सबूत एकत्र करने में कुल छह महीने का समय लगा है। उन्होंने दावा किया कि निर्वाचन आयोग मतदाता सूचियों को मशीन के पढ़ने योग्य (मशीन रीडेबल) डेटा उपलब्ध नहीं करा रहा है ताकि ये सब पकड़ा नहीं जा सके। राहुल गांधी ने कहा कि उनकी टीम ने बेंगलुरु मध्य लोकसभा सीट के महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र के डेटा का विश्लेषण किया और फिर गड़बड़ी का पता किया। उन्होंने दावा किया कि भाजपा बेंगलुरु मध्य लोकसभा सीट के सभी सात विधानसभा क्षेत्रों में छह में पिछड़ गई, लेकिन महादेवपुरा में उसे एकतरफा वोट मिला। राहुल गांधी ने दावा किया कि लोकसभा चुनाव के बाद महाराष्ट्र में पांच महीनों के भीतर इतने मतदाताओं के नाम जोड़ दिए गए, जो पहले पांच साल की अवधि में नहीं जोड़े गए थे। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव और विधानसभा चुनाव के दौरान एक करोड़ मतदाता बढ़ गए। हम निर्वाचन आयोग के पास गए...हमने पूरी निश्चितता के साथ यह कहा कि महाराष्ट्र में चुनाव की चोरी की गई।

फास्ट ट्रैक

पश्चिम रेलवे द्वारा बांद्रा टर्मिनस एवं जयपुर के बीच एक और रक्षाबंधन स्पेशल ट्रेन

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई, पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए तथा त्योहारी सीजन रक्षाबंधन के दौरान उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से बांद्रा टर्मिनस और जयपुर स्टेशनों के बीच विशेष किराए पर एक और स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस ट्रेन का विवरण इस प्रकार है:

1. ट्रेन संख्या 09726/09725 बांद्रा टर्मिनस - जयपुर स्पेशल [2 फेरे]

ट्रेन संख्या 09726 बांद्रा टर्मिनस - जयपुर स्पेशल सोमवार, 11 अगस्त, 2025 को बांद्रा टर्मिनस से 09:30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन सुबह 06:45 बजे जयपुर पहुँचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09725 जयपुर - बांद्रा टर्मिनस स्पेशल रविवार, 10 अगस्त, 2025 को जयपुर से 08:25 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन सुबह 04:55 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुँचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, सूरत, वडोदरा, रतलाम, मंदसौर, नीमच, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, मांडल, बिजयनगर, नसीराबाद, अजमेर और किशनगढ़ स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी 2 टियर, एसी-3 टियर, एसी-3 टियर (इकोनॉमी), स्लीपर क्लास और द्वितीय श्रेणी के सामान्य डिब्बे होंगे।

ट्रेन संख्या 09726 की बुकिंग 09 अगस्त, 2025 से पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, समय और संरचना के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www .enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

मुंबई, पश्चिम रेलवे के कई ट्रेनों के समय में संशोधन

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

पश्चिम रेलवे द्वारा ट्रेनों की समग्र दक्षता और समयपालनता में सुधार लाने के उद्देश्य से कुछ ट्रेनों के समय में अगली सूचना तक संशोधित करने का निर्णय लिया गया है।पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, जिन ट्रेनों के ओरिजिनेटिंग/टर्मिनेटिंग/ठहराव स्टेशन पर समय संशोधित किया गया है, वे निम्नानुसार हैं

महाराष्ट्र में 'खालिद का शिवाजी' मूवी को बैन करने की मांग के बीच मंत्री आशीष शेलार का बड़ा बयान

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः महाराष्ट्र में खालिद का शिवाजी नाम की फिल्म को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। हिंदू संगठनों द्वारा ट्रेलर लांच होने के बाद मूवी की रिलीज का विरोध करते हुए बैन की मांग की गई थी। फिल्म का विरोध कर रहे संगठनों से मिलने के बाद राज्य के सांस्कृतिक मामलों के मंत्री एडवोकेट आशीष शेलार ने कड़ा बयान दिया है। शेलार ने कहा कि इतिहास से छेड़छाड़ किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। फिल्म ह्यखालिद का शिवाजीह्न के संबंध में प्राप्त शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए राज्य सरकार ने केंद्र सरकार से फिल्म की तुरंत दोबारा जांच करने का अनुरोध किया है। खालिद का शिवाजी एक मराठी मूवी है। फिल्म निमार्माओं का दावा है कि यह सत्य घटनाओं पर आधारित है। मूवी में कुछ संवाद हिंदी में भी हैं।आगबबूला हैं हिंदू संगठनखालिद का शिवाजी मूवी को लेकर खड़े हुए विवाद के बीच एक दिन पहले शिव समर्थ प्रतिष्ठान के आयोजक नीलेश भिसे ने सांस्कृतिक मामलों के मंत्री एडवोकेट शेलार से मुलाकात की थी। तब उन्होंने फिल्म के खिलाफ शिकायत और बयान दर्ज कराया था। आरोप लगाया गया है कि फिल्म में ऐसे दृश्य और संवाद हैं

वसई-विरार को ट्रैफिक जाम से राहत

रेलवे ने 4 उड्डाणपुलों को दी हरी झंडी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

वसई-विरार क्षेत्र में वर्षों से चली आ रही ट्रैफिक जाम की समस्या को दूर करने की दिशा में एक अहम कदम उठाया गया है। क्षेत्र में प्रस्तावित 4 रेल ओवरब्रिज (उड्डाणपुल) की संकल्पना योजना (जनरल डिजाइन) को रेलवे प्रशासन की मंजूरी मिल गई है। इन पुलों का निर्माण उमेळमान, अलकापुरी, ओसवाल नगरी और विराट नगर में किया जाएगा। भाजपा सांसद डॉ. हेमंत सवरा और विधायक राजन नाइक की ओर से इन पुलों को स्वीकृति दिलवाने के लिए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के समक्ष लगातार प्रयास किए जा रहे थे। रेलवे प्रशासन ने अब महापालिका को पत्र भेजकर जनरल डिजाइन की मंजूरी की औपचारिक जानकारी दी है। वसई-विरार क्षेत्र की आबादी अब 25 लाख के पार हो चुकी है। पूर्व और पश्चिम के बीच रोजाना लाखों नागरिकों को लंबा चक्कर लगाकर सफर करना पड़ता था, जिससे न केवल समय बर्बाद होता था बल्कि इंधन और पैसा भी अधिक खर्च होता था। इन समस्याओं को ध्यान में रखते हुए महापालिका ने चार स्थानों के लिए रेल ओवरब्रिज का प्रारूप रेलवे के अभियांत्रिकी विभाग को भेजा था, जो अब स्वीकृत हो चुका है। सांसद डॉ. सवरा और विधायक नाइक ने इस प्रस्ताव को आगे बढ़ाने के लिए रेल मंत्री को पत्र लिखे और पश्चिम रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकातें की। विशेष रूप से नायगांव से वसई रोड, वसई से नालासोपारा और नालासोपारा से विरार के बीच के ट्रैफिक को सुचारू करने हेतुइन पुलों की सख्त जरूरत थी। चार पुलों की स्वीकृति पश्चिम रेलवे के पुल विभाग के कार्यकारी अभियंता राहुल चौधरी ने वसई-विरार महापालिका के कार्यकारी अभियंताओं को एक पत्र भेजकर इन चारों पुलों की जनरल डिजाइनको मंजूरी मिलने की जानकारी दी। अब जब इन पुलों की योजना को मंजूरी मिल गई है, तो आगे का कार्य भूसंपादन के लिए किया जाएगा। विधायक राजन नाइक ने बताया कि अगले चरण के कामों के लिए तेजी से प्रयास जारी रहेंगे। साथ ही उन्होंने और सांसद डॉ. सवरा ने इस स्वीकृति के लिए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार प्रकट किया नायगांव से विरार के बीच उमेळमान, अलकापुरी, ओसवाल नगरी और विराट नगर में प्रस्तावित चार पुलों के निर्माण से लाखों नागरिकों को ट्रैफिक जाम से राहत मिलेगी। साथ ही पूर्व और पश्चिम के बीच आवाजाही अब और तेज तथा सुगम होगी।

अनुशासन और गरिमा के साथ टिकट जांच की नई परिभाषा

मुट्ठी में केवल पांच उंगलियां नहीं, बल्कि नमस्ते में दस उंगलियां - शक्तिशाली, उद्देश्यपूर्ण और सम्मानजनक

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

पश्चिम रेलवे के मुंबई सेंट्रल मंडल ने एक विचारशील और नैतिक रूप से सशक्त पहल शुरू की हैः नमस्ते अभियान, जिसका संक्षिप्त नाम ₹नम्रता और सशक्त टिकट जाँच₹ है। यह अभियान एक ऐसा दर्शन है जो विनम्रता, नियमों के पालन को सुनिश्चित करने हेतु इस गरिमा और सहानुभूति के साथ जोड़ता है। इस पहल के मूल में गरिमा, सुरक्षा, जनहित, सहानुभूति और जवाबदेही जैसे मूल्यों के प्रति गहरी प्रतिबद्धता निहित है। इस अभियान का उद्देश्य टिकट जाँच कर्मचारियों में विश्वास बहाल करना, उनके अधिकारों की रक्षा करना और समग्र यात्री अनुभव को बेहतर बनाना है। इस पहल के तहत, 06 अगस्त, 2025 को बोरीवली स्टेशन पर फोर्टरेस टिकट जाँच अभियान चलाया गया। रेलवे सुरक्षा बल और राजकीय रेलवे पुलिस के सहयोग से 300 से अधिक टिकट जाँच कर्मचारियों ने इस अभियान में भाग लिया। परिणामस्वरूप, लगभग 5,200 बेटिकट यात्रियों का पता लगाया गया और 13.50 लाख रुपये का जुमार्ना प्राप्त किया गया। सुरक्षा और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए टीटीई को विशेष रूप से डिजाइन किए गए सुरक्षात्मक जैकेट दिए गए हैं। इन जैकेटों में बॉडी कैमरा, हैंड हेल्ड टर्मिनल (HHT), अतिरिक्त किराया टिकट (EFT) बुक और सार्वजनिक घोषणाओं के लिए मिनी स्पीकर के लिए जगह होती है। यह तकनीकी एकीकरण टिकट जाँच कर्मचारियों को भौतिक और कानूनी सुरक्षा प्रदान करता है, साथ ही यात्रियों के साथ बातचीत में पारदर्शिता और जवाबदेही को भी मजबूत करता है। इस अभियान का एक अन्य महत्वपूर्ण घटक स्टेशन परिसर के भीतर प्री कस्टडी एरिया का निर्माण है। ये सीसीटीवी निगरानी वाले स्थानीयकृत क्षेत्र हैं, जिन्हें बिना टिकट यात्रियों से नियंत्रित और सम्मानजनक तरीके से निपटने के लिए डिजाइन किया गया है। यह कदम आधिकारिक कार्यालयों में संभावित विवादों और अनावश्यक टकरावों से बचने में मदद करता है, जिससे यात्रियों और कर्मचारियों, दोनों के साथ उचित व्यवहार सुनिश्चित होता है। वाणिज्य विभाग के अधिकारियों ने प्रभावी संचार और पेशेवर यात्री प्रबंधन पर केंद्रित कार्यशालाएँ आयोजित की हैं।नमस्ते अभियान इस बात का एक सशक्त उदाहरण है कि शासन कैसे सशक्त और संवेदनशील दोनों हो सकता है। यह नैतिक लोक प्रशासन का एक आदर्श उदाहरण है जो अनुशासन को महत्व देता है। प्रतिक्रियात्मक उपायों पर निर्भर रहने के बजाय, यह एक सक्रिय और संरचित दृष्टिकोण अपनाता है, जो निष्पक्षता को बनाए रखता है, विश्वास को बढ़ावा देता है, सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करता है और अग्रिम पंक्ति के कर्मियों का मनोबल बनाए रखता है।

न्यू ईरा स्कूल में उपोषण पर बैठी महिला शिक्षिकाओं से मिले विधायक

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

उल्हासनगर : पिछले तीन दिनों से अपनी मांगों को लेकर न्यू ईरा स्कूल की सात शिक्षिकाएं आमरण उपोषण पर बैठी हैं। गुरूवार को विधायक कुमार आयलानी उपोषण पर बैठी शिक्षिकाओं से मिले तथा उनकी मांगों को समझा। माननीय उच्च न्यायालय के निदेशों के बावजूद स्कूल प्रशासन द्वारा इन शिक्षिकाओं को शासन के पे स्केल के अनुसार वेतन नहीं दिया जा रहा है इसके अलावा शोषण व कुछ शिक्षिकाओं को कानूनी प्रक्रिया में जुड़े होने के कारण बाहर निकालने का नोटिस दिया गया है। उनकी मांग है की अनाधिकृत रूप से निकाली गई शिक्षिकाओं को काम पर रखें, उच्च न्यायालय के दिशा निदेशों का स्कूल प्रशासन पालन करें, बकाया एरियर का भुगतान किया जाए आदि। विधायक कुमार आयलानी ने उनकी मांगों को समझा तथा मनपा के शिक्षण विभाग की सहायक आयुक्त मयूरी कदम व प्रशासन अधिकारी धनगर को उपोषण स्थल पर बुलाया और उन्हें यह निर्देश दिए की इस मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करें।

ग्रीन बप्पा फलित बप्पा अवधारणा के तहत गणेशोत्सव मनाने बैठक संपन्न

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

कल्याण ग्रीन बप्पा फलित बप्पा की अवधारणा के तहत, नगर निगम ने पर्यावरण-अनुकूल गणेशोत्सव के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए स्कूली छात्रों के लिए एक भव्य कार्यशाला का आयोजन ।पर्यावरण अनुकूल श्री गणेशोत्सव के बारे में अधिक जागरूकता पैदा करने और आगामी गणेशोत्सव अवधि के दौरान जनता को शाडू मिट्टी की मूर्तियाँ स्थापित करने के उद्देश्य से, मनपा हरित बप्पा/फलित बप्पा की अवधारणा को क्रियान्वित कर रही है और मनपा एवं एजुकेशन टुडे फाउंडेशन के सहयोग से, मंगलवार, 12 अगस्त 2025 को डोंबिवली पूर्व स्थित वि.ह.भि.प. संत सावलाराम महाराज क्रीड़ा संकुल के स्वर्गीय सुरेंद्र वाजपेयी सभागृह में एक भव्य कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यशाला दो सत्रों में आयोजित की जाएगी और मनपा क्षेत्र के लगभग 4,000 छात्रों के इस कार्यशाला में भाग लेने की योजना है। यह कार्यशाला छात्रों के लिए एक समृद्ध अनुभव होगा। इसके माध्यम से, छात्र शाडू मिट्टी और प्राकृतिक रंगों के पर्यावरण अनुकूल उपयोग के माध्यम से पारंपरिक कला, सांस्कृतिक मूल्यों और प्रकृति संरक्षण के बारे में जागरूकता विकसित करेंगे। माता-पिता और शिक्षकों के माध्यम से पर्यावरण-अनुकूल गणेशोत्सव का संदेश फैलाने के लिए, ये स्कूली छात्र स्वयं श्री गणेश की मूर्तियाँ बनाएंगे। इसके लिए आवश्यक मिट्टी मनपा द्वारा उपलब्ध कराई जाएगी। श्री गणेश मंडलों को 6 फीट से कम ऊँचाई वाली पर्यावरण-अनुकूल गणेश प्रतिमाएँ स्थापित करनी चाहिए, 6 फीट से कम ऊँचाई वाली गणेश प्रतिमाओं को कृत्रिम तालाब में विसर्जित करना चाहिए और यथासंभव पर्यावरण-अनुकूल गणेशोत्सव मनाना चाहिए, ऐसा मनपा आयुक्त अभिनव गोयल ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा। मनपा आयुक्त अभिनव गोयल ने बताया कि सरकार की हर घर तिरंगा पहल के तहत स्कूली छात्रों द्वारा रंगोली बनाना, राखी बनाना, सैनिकों को पत्र लिखना जैसी कई गतिविधियाँ चलाई जा रही हैं और इसी पहल के तहत रविवार, यानी 10 अगस्त 2025 को सुबह 6.30 बजे एक साइकिल रैली का आयोजन किया गया है। आयुक्त ने ज्यादा से ज्यादा नागरिकों से घरौघरी तिरंगा अभियान में भाग लेकर इस पहल में शामिल होने की अपील की है।

महाराष्ट्र निकाय चुनाव में नहीं होगा वीवीपीएटी का इस्तेमाल, आयोग ने बताई वजह, ऐलान पर भड़का विपक्ष

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः सुप्रीम कोर्ट की हरी झंडी के बाद महाराष्ट्र में दिवाली के बाद स्थानीय निकाय चुनाव होंगे। राज्य के चुनाव आयुक्त दिनेश वाघमारे ने कहा है कि महाराष्ट्र में एक साथ वोटिंग नहीं होगी। चुनावी प्रक्रिया आगामी अक्टूबर महीने से शुरू की जाएगी। वाघमारे के अनुसार निकाय चुनाव ईवीएम पर कराए जाएंगे

गोवा से मुंबई शिफ्ट हुआ सनबर्न फेस्टिवल 2025

मुंबई : भारत का फेमस एऊट आयोजन सनबर्न फेस्टिवल पहली बार मुंबई में होने जा रहा है। सनबर्न फेस्टिवल हमेशा गोवा में होता था। यह पहली बार है जब यह गोवा से मुंबई शिफ्ट हो गया है। यह फेस्टिवल इसी साल आयोजित किया जाएगा। महाराष्ट्र सरकार के पर्यटन विभाग के प्रमुख सचिव अतुल पाटणे ने सनबर्न फेस्टिवल की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र हमेशा से भारत की संस्कृति और मनोरंजन को आगे बढ़ाने में सबसे आगे रहा है। इसी दिशा में यह कदम उठाया गया है। अतुल पाटणे ने बताया कि मुंबई में सनबर्न फेस्टिवल जैसे बड़े इवेंट्स लाकर हम एक ऐसा माहौल बना रहे हैं

पश्चिम रेलवे
निर्माण कार्य
मंडल रेल प्रबंधक (डब्ल्यूए), पश्चिम रेलवे, 6ठी मंजिल, इंजी. विभाग, मुंबई सेंट्रल, मुंबई – 400 008 द्वारा **ई-निविदा सूचना क्र. : बीसीटी/25-26/173, दिनांक : 05.08.2025** आमंत्रित की जाती है. **कार्य एवं स्थान** : अंधेरी : प्लेटफॉर्म्स के विस्तारीकरण के साथ पुराने कंट्रोल टॉवर के विखंडन के संबंध में यार्ड रिमाडलिंग. (केवल सिविल कार्य). **कार्य की अनुमानित लागत** : रु. 1,05,75,779.83. **ईएमडी** : रु. 2,02,900/-. **जमा करने की तिथि एवं समय** : 29.08.2025 को 15.00 बजे तक. **खुलने की तिथि एवं समय** : 29.08.2025 को 15.30 बजे. अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** का अवलोकन करें. मैन्युअल प्रस्तावों पर कोई विचार नहीं किया जाएगा. 0469
Like us on : facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे
एसी आईसीएफ कोचेस का कोच शौचालय अपग्रेडेशन
मुख्य वर्कशॉप प्रबंधक, कैरिएज मरम्मत वर्कशॉप, पश्चिम रेलवे, एन.एम. जोशी मार्ग, लोअर परेल, मुंबई – 400 013 द्वारा **ई-निविदा सूचना क्र. : डब्ल्यूआर-पीएल-एमई-ईएसटी-633542-बी, दिनांक : 05.08.2025** आमंत्रित की जाती है. **कार्य का नाम** : एसी आईसीएफ कोचेस का कोच शौचालय अपग्रेडेशन. **अनुमानित लागत** : रु. 8,13,11,249.40. **ईएमडी** : रु. 5,56,600/-. **ई-बोलियां ऑनलाइन जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय** : 26.08.2025 को 15.00 बजे तक. **ई-निविदाओं का खुलना** : 26.08.2025 को 15.30 बजे. बोली प्रपत्र तथा अन्य विवरण जैसे कि शुद्धिपत्र आदि वेबसाइट **www.ireps.gov.in** से प्राप्त किए जा सकते हैं. 0468
Like us on : facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे
विद्युत ऊर्जा कार्य
वरि. डीईई/पी/बीसीटी, मुंबई सेंट्रल, मुंबई द्वारा **निविदा सूचना क्र. : ईएल-81-880-डब्ल्यूए-72 (आर-2), दिनांक : 04.08.2025** आमंत्रित की जाती है. **कार्य एवं स्थान** : जोरावासन – सूरत अनुभाग : 4 नग पुराने जीर्णशीर्ण एवं जर्जर स्टील स्टेजिंग ओएच वॉटर टैंक्स/आरसीसी टैंक्स के प्रतिस्थापन के संबंध में विद्युत (ऊर्जा) कार्य. **कार्य की अनुमानित लागत** : रु. 61,39,625/-. **ईएमडी** : रु. 1,22,800/-. **जमा करने की तिथि एवं समय** : 02.09.2025 को 15.00 बजे तक. **खुलने की तिथि एवं समय** : 02.09.2025 को 15.30 बजे. अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** का अवलोकन करें. 0466
Like us on : facebook.com/WesternRly

सरकारी राशन की दुकानों से अपर्याप्त खाद्यान्न

गरीब नागरिकों के साथ हो रहा अन्याय

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

वसई पश्चिम के नवधर मानिकपुर इलाके में सरकारी राशन की दुकानों से नागरिकों को अपर्याप्त खाद्यान्न दिए जाने की कई शिकायतें सामने आई हैं। चुलाना, सुयोग नगर और चुलाना आदिवासी पाड़ा इलाकों के नागरिकों का कहना है कि उनके पूरे परिवार सरकारी राशन पर निर्भर हैं। कई गरीब परिवारों के पास बाजार से अनाज खरीदने के लिए पर्याप्त आय नहीं है, इसलिए वे सरकारी राशन पर निर्भर रहते हैं। हालाँकि, वर्तमान में उन्हें राशन की दुकानों से आवश्यक मात्रा में खाद्यान्न नहीं मिल रहा है। जब नागरिक राशन दुकानदारों से इस बारे में पूछते हैं, तो दुकानदार गोलमोल जवाब देते हैं। कुछ दुकानदारों का कहना है कि उन्हें सरकार से पूरा कोटा भी नहीं मिल रहा है। लेकिन इन सभी मामलों में, आपूर्ति अधिकारी अपनी ज़िम्मेदारी ठीक से नहीं निभाते हैं, जिसके कारण कई दुकानदार गरीबों के साथ दुर्व्यवहार और अपमानजनक व्यवहार करते हैं।इस घटना के संबंध में कांग्रेस पार्टी के नवघर मानिकपुर ब्लॉक अध्यक्ष विल्फ्रेड डिसूजा ने कुछ राशन दुकानदारों और राशन कार्ड धारकों से चर्चा की, तो उन्होंने कहा कि सरकार प्रत्येक दुकान को पूरा कोटा देती है, लेकिन वह जरूरतमंद लोगों तक नहीं पहुँच पाता। इसलिए यह घटना बेहद गंभीर है और आपूर्ति व्यवस्था द्वारा ही इसकी अनदेखी की जा रही है। उन्होंने मांग की है कि वसई पश्चिम की सभी राशन दुकानों और आपूर्ति विभाग की गहन जाँच की जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि गरीबों को उनका पूरा अनाज कोटा मिले। अगर अनाज का कोटा वाकई अपर्याप्त है, तो उसे बढ़ाने के लिए सरकार से सिफारिश की जाए। आपूर्ति अधिकारियों की कार्यप्रणाली की जाँच की जाए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। विल्फ्रेड डिसूजा ने यह भी चेतावनी दी है कि अगर प्रशासन इन शिकायतों पर उचित ध्यान नहीं देता है, तो 7 दिनों के भीतर एक जन आंदोलन के माध्यम से विरोध दर्ज कराया जाएगा।

मध्य रेल
सोलापुर मंडल
ई-निविदा सुचना
निविदा सूचना संख्या: सोला/वि/नि/2024/28R3. भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर, सामान्य, मध्य रेल, सोलापुर, निम्नलिखित कार्य के लिए ख्याती प्राप्त, अनुभवी और लायसेन्सधारी विद्युत ठेकेदारों से रेल्वे की ई-प्रोक्यूरमेंट वेबसाइट www.ireps.gov.in पर ऑनलाइन ई निविदा आमंत्रित करते है। **कार्य का नाम:** सोलापुर मंडल के एलएचबी प्रकार के एसी कोचों पर छत पर लगे विभिन्न प्रकार के एसी पैकेज युनिट का दो वर्ष की अवधि के लिए वार्षिक रखरखाव अनुबंध. (पुनआमंत्रण). **कार्य की लागत:** ₹ 2,17,65,593.69. **बोली प्रतिभूति:** ₹ 2,58,800/-. **कार्य पूरा करने की अवधि:** 24 माह. **निविदा प्रस्ताव की वैधता:** 90 दिन। **वेबसाइट पर निविदा बंद करने की तिथि और समय: दि. 30.08.2025 को 14:00 बजे।** बोली प्रतिभूति राशि की रकम का भुगतान ई-पेमेंट व्दारा वेबसाइट www.ireps.gov.in पर करना है।
वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (सा.)
मरे, सोलापुर
Akar/Sur-61
खतरनाक व विस्फोटक सामान के साथ यात्रा करना दंडनीय अपराध है

मध्य रेल
सोलापुर मंडल
ई-निविदा सुचना
निविदा क्रमांक: 96255532. मंडल भंडार कार्यालय मध्य रेल, सोलापुर भारत के राष्ट्रपति की ओर से रेलवे की ई-खरीद वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर सक्षम, प्रतिष्ठित फर्मो/ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्यों के लिए ऑनलाइन ई-निविदाएं आमंत्रित करता है. **पी.एल. कोड (समूह):** 600605881012. **वस्तु का प्रकार जीएसटी (हाँ/नहीं):** माल (हाँ). **भंडार/नॉनस्टॉक:** गैर-स्टॉक. आदेश: –. **मूल्यांकन हेतु विचार करें:** हां. **का अनुमोदन एजेंसी:** आरडीएसओ. **निरीक्षण एजेंसी:** टीपीआई एजेंसी. **मुद्रा की अनुमति:** भा.रु. **अनुमानित दर:** –. **विवरण:** 10125 मिमी प्री कर्ल्ड/कर्ल्ड स्विच का निर्माण और आपूर्ति, जेडयू-1-60/60ई 1ए1 थिक वेब ग्रेड 880 क्लास ए टंग रेल और यूआईसी 60 किग्रा/मी रोड 880, क्लास एक्लास बी प्राइम क्वालिटी स्टॉक रेल के साथ इलास्टिक फास्टनर और स्प्रिंग संचालित सेटिंग डिवाइस (आरडीएसओ-टी/6216 परिवर्तनों के साथ पढ़ें), 1 इन 12 के लिए सभी फिटिंग के साथ पूर्ण (चेक रेल के साथ), पीएससी स्लीपर्स पर पंखे के आकार के लेआउट के लिए बीजी 60 किग्रा टर्न आउट यानी आरडीएसओ के मानकों के अनुसार सब असेंबली ड्राइंग संख्या टी-6155 नवीनतम परिवर्तनों के साथ पढ़ें) के अनुसार स्विच भाग के लिए सभी फिटिंग ड्राइंग संख्या 6154 (नवीनतम परिवर्तनों के साथ पढ़ें) आरडीएसओ विनिर्देशाँ आईआरएस-टी-10-2025, आईआरएस-टी-62-2025 की पुष्टि करती है, जिसमें स्टैंडर्ड फिश प्लेट, फिश बोल्ट और नट ईआर क्लिप, इंसुलेटिंग लाइनर शामिल नहीं हैं। **नोट** 1. ड्राइंग/विनिर्देशों आदि में परिवर्तन के लिए प्रयोज्यता (एप्लीकेबिलिटी) की तिथि निविदा के प्रकाशन की तिथि के अनुसार होगी। 2. प्री-कर्निंग आरडीएसओ के दिनांक 06.07.2023 के पत्र संख्या सीटी/पीटीएक्स/टीडब्ल्यूएस /डिजाइन (अनुलग्नक V) के अनुसार किया जाएगा। 3. एलएच/आरएच साइड के अनुसार प्री-कर्ल्ड टीडब्ल्यूएस की क्वांटिटी, विपरीत/समान फ्लेक्सर और कर्व की डिग्री, संलग्न अनुलग्नक-ए के अनुसार है। (वारंटी अवधि डिलीवरी की तारीख के 30 महीने तक). **प्रेषिती (कंसाइनी):** एसई (पीवे), (पीवे डिपो), सोलापुर, मध्य रेल, महाराष्ट्र. 7.00 सेट. **यूवीएएम आइटम संदर्भ:** (आइटम आईडी:-3100582 आइटम आईडी थिक वेब स्विचेज, थिक वेब एसईजे & एंड फॉर्मिंग, सब आइटम आईडी: 3100582001 थिक वेब स्विचेज). **निरीक्षण विवरण:** चरण निरीक्षण की आवश्यकता नहीं है. **बयाना राशि:** भा.रु. (INR) ₹ 1,08,750/-. www.ireps.gov.in पर **निविदा बंद होने की तिथि और समय:** 01-09-2025 11:30 बजे के बाद संभावित निविदाकर्ताओं को सलाह दी जाती है कि वे निविदा बंद होने की तिथि से पहले वेबसाइट को बार-बार देखें ताकि इस निविदा के लिए जारी किए गए किसी भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र को नोट किया जा सके। वेबसाइट: **www.ireps.gov.in**
Akar/Sur-59
वरिष्ठ मं.सा.प्र./मध्य रेल, सोलापुर
खतरनाक व विस्फोटक सामान के साथ यात्रा करना दंडनीय अपराध है

नगरपालिका के पूर्व उपनगराध्यक्ष अब्दुलभाई शेख ने अंबरनाथ की बांगड़ी गली में किया विकास कार्य का भूमिपूजन

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अंबरनाथ.बुधवार 6 अगस्त को अंबरनाथ पश्चिम स्थित बांगडी गली में पुरानी जीर्ण शीर्ण गटर के स्थान पर एक नवीन गटर के पुनर्निमाण का भूमिपूजन स्थानीय नगरसेवक और पूर्व उप नगराध्यक्ष अब्दुलभाई शेख के कर कमलों द्वारा संपन्न हुआ। बताते चले कि स्थानिक लोगों, दुकानदारों और खरीदारी करने आने वाले लोगों को इस गटर से अनेकों कष्टों का सामना करना पड़ रहा था। उक्त गटर से बांगड़ी गली में बरसात का पानी भर जाता है और दुर्गंध भी आती है। स्थानीय लोगों और व्यापारियों ने अपनी इस समस्या के समाधान के लिए स्थानीय नगरसेवक और पूर्व उप नगराध्यक्ष अब्दुलभाई शेख से संपर्क किया।अब्दुल भाई शेख ने तत्काल ही समस्या का संज्ञान लेते हुए अंबरनाथ नगरपालिका प्रशासन से इस संदर्भ में संपर्क स्थापित करते हुए निधि आवंटित करवाई और बुधवार को इस गटर का भूमिपूजन किया गया। इस भूमिपूजन में जमुना प्रसाद गुप्ता, दीपक खटवानी, सूरज जायसवाल, पंकज कुम्हार, सुमित जैन, मनोज छेड़ा, नितिन जवेरी, अफजल खान आदि के साथ अनेक व्यापारी और स्थानिक नागरिक उपस्थित रहे। स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों ने इस कार्य को प्रारंभ करने के लिए अब्दुलभाई शेख और नगरपालिका प्रशासन का धन्यवाद ज्ञापित किया।

शास्त्री नगर क्लस्टर पुनर्विकास योजना प्रस्ताव घोटाला उजागर

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे ,शास्त्रीनगर के निवासियों को एकतरफा तौर पर अंधेरे में रखते हुए और उनके हित में विचार किए बिना, ठाणे मनपा में एक क्लस्टर पुनर्विकास प्रस्ताव पेश किया गया है। मनपा में इसकी शिकायत दर्ज कराई गई है और शास्त्रीनगर के निवासियों ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के दरबार में अपील करने का फैसला किया है। स्थानीय पूर्व नगरसेवक हनमंत जगदाले और स्थानीय निवासियों ने भी सर्वसम्मति से अदालत का दरवाजा खटखटाने का फैसला किया है। लोकमान्य नगर, शास्त्रीनगर महासंघ की आम बैठक हाल ही में तानाशाही तरीके से लागू की जा रही क्लस्टर विकास योजना के प्रस्ताव के खिलाफ आयोजित की गई थी। इस बैठक में शास्त्रीनगर के सैकड़ों निवासी शामिल हुए। शास्त्रीनगर प्रभाग का पुनर्विकास कई वर्षों से रुका हुआ है। कुछ संबंधित व्यक्ति अपने स्वार्थ के लिए कई वर्षों से यहाँ के निवासियों को एसआरए के माध्यम से पुनर्विकास करवाने के लिए परेशान कर रहे हैं। 2017 से स्थानीय नगरसेवक हनमंत जगदाले और स्थानीय सह-नगरसेवक क्लस्टर विकास योजना के माध्यम से शास्त्रीनगर के पुनर्विकास के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। स्थानीय निवासियों का यह रुख आज भी नहीं बदला है। कई वर्षों के बाद हनमंत जगदाले और उनके सह-प्रतिनिधियों से लाभ हुआ है और निवासियों ने बैठक में अपनी भावना व्यक्त की कि वे हमें विश्वास में लेकर हम नागरिकों के विकास में भूमिका निभा सकते हैं। शास्त्रीनगर संभाग के कुछ स्थानीय लोगों ने एसआरए के माध्यम से विकास का विरोध किया था। एसआरए के नियमों के अनुसार, मॉडल कॉलोनी को छोड़कर, अन्य संभागों को एसआरए के माध्यम से स्लम संभाग घोषित किया गया है। जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने एकजुट होकर दृढ़ निश्चय किया था कि हमारे संभाग का विकास केवल समूह विकास योजना के माध्यम से ही होगा। इस प्रभाग में रहने वाले नागरिकों को स्वामित्व वाले घर मिलें, यह निर्णय लेते हुए प्रभाग में मॉडल कॉलोनी और सुरभि दोनों पंजीकृत संस्थाएँ बनाई गईं और इस प्रभाग के निवासियों के लोकमान्यनगर और शास्त्रीनगर गृह निर्माण महासंघ की स्थापना की गई। संबंधित विभाग में इनका विधिवत पंजीकरण भी कराया। महासंघ के प्रतिनिधियों ने बैठक में बताया कि शास्त्रीनगर के 75 प्रतिशत निवासियों ने हनमंत जगदाले के नेतृत्व पर विश्वास करके क्लस्टर पुनर्विकास के लिए सहमति व्यक्त की है। निवासियों की लगातार बैठकें आयोजित की गईं और अगले कदम पर चर्चा के बाद निर्णय लिए गए। जब यह सब प्रक्रिया चल रही थी, अचानक 30 अप्रैल 2025 को ओम श्री साईं कंस्ट्रक्शन द्वारा निवासियों को विश्वास में लिए बिना ठाणे मनपा को पुनर्विकास का एकतरफा प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया। चूँकि ऐसा प्रस्ताव निवासियों की सहमति के बिना प्रस्तुत किया गया था, इसलिए एक बैठक आयोजित करने और शास्त्रीनगर को योजनानुसार विकसित करने का निर्णय लिया है। कानूनी रूप से प्रस्तुत प्रस्ताव का विरोध करने का भी सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। 17 जुलाई 2025 को कानूनी सलाहकार के माध्यम से ठाणे मनपा आयुक्त को आपत्ति से अवगत कराया गया है। पत्र के माध्यम से अनुरोध किया गया है कि गलत तरीके से प्रस्तुत और प्रशासन को गुमराह करने वाले प्रस्ताव को रद्द किया जाए। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से भी उक्त प्रस्ताव को रद्द करने का अनुरोध किया गया है। बैठक में सर्वसम्मति से न्यायालय जाने का प्रस्ताव पारित किया गया है।

फास्ट ट्रैक

युवक का शव नीम के पेड़ पर लटका मिला

पिता का आरोप- बेटी से दोस्ती के कारण परिवारवालों ने की हत्या

शाहजहांपुर, शाहजहांपुर जिले के कलान थाना क्षेत्र में एक युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में नीम के पेड़ पर लटकता मिला। मृतक की पहचान रंजीत के रूप में हुई है। मृतक के पिता दाताराम ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनका बेटा रंजीत बुधवार को बदायूं से गांव लौट रहा था। जब वह घर नहीं पहुंचा तो परिवार चिंतित हो गया। गुरुवार को रंजीत का शव गांव के गुरुप्रसाद के खेत में नीम के पेड़ पर लटका मिला। दाताराम ने गांव के ही गुरुप्रसाद, कालीचरन, मोरपाल, अशोक और प्रदीप पर हत्या का आरोप लगाया है। उन्होंने बताया कि इन लोगों की उनके बेटे से रंजिश थी। गुरुप्रसाद की बेटी से रंजीत का मिलना-जुलना था, जिसके कारण कई बार विवाद भी हुआ था। सूचना मिलने पर कलान थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए शाहजहांपुर भेज दिया। कलान के प्रभारी निरीक्षक प्रभाष चंद ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस मामले की जांच कर रही है और परिजनों के आरोपों के आधार पर सभी पहलुओं पर विचार किया जा रहा है। अभी तक किसी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

पेड़ों को राखी बाँधकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देती वृक्षाबंधन पहल

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने के लिए, रक्षाबंधन के अवसर पर आज ठाणे के मसुंदा तालाब क्षेत्र में वनशक्ति संस्था और एमडीएच विद्यालय के सहयोग से एक अनूठी और प्रेरक पहल, वृक्षाबंधन का आयोजन किया गया। इस पहल में, छात्रों ने क्षेत्र के विभिन्न देशी पेड़ों को राखी बाँधी और पर्यावरण के अनुकूल त्योहारों की रक्षा, संरक्षण और उत्सव मनाने का संदेश दिया। एमडीएच विद्यालय की स्काउट-गाइड टीम के 40 छात्रों, प्रधानाचार्य विकास पाटिल, अन्य शिक्षकों - सुनील पाटिल, स्नेहा शेलगे, संगीता धनकुटे, अरुणा पाटिल, वनशक्ति संस्था की परियोजना अधिकारी चित्रा म्हस्के और फिरदोस खान ने इस पहल में उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में, छात्रों ने राखी की पालकी बनाई और उसे तालाब क्षेत्र में घुमाया गया। पालकी के साथ ₹पेड़ लगाओ, पेड़ बचाओ₹, ₹प्रकृति की रक्षा करो₹, ₹पर्यावरण संरक्षण करो₹, ₹देशी वृक्षों को बचाओ₹ जैसे नारे भी दिए गए। इन नारों ने क्षेत्र में सकारात्मक ऊर्जा का संचार किया। छात्राओं ने शाडू मिट्टी, अनाज, सूखे फूल, पुनर्चक्रित पुराने कागज, कपड़े, रस्सियों और बीजों का उपयोग करके पर्यावरण-अनुकूल राखियाँ और बीज राखियाँ बनाईं। ये राखियाँ पूरी तरह से बायोडिग्रेडेबल और पर्यावरण-अनुकूल थीं। इसके माध्यम से छात्राओं में पर्यावरण के प्रति ज़िम्मेदारी और रचनात्मकता की भावना जागृत हुई। इस कार्यक्रम में महाराष्ट्र के राजकीय पुष्प तम्हाण और अन्य वृक्षों को राखियाँ बाँधकर पीपल, हिरवी सावर, कदंब जैसे देशी वृक्षों के संरक्षण का संकल्प लिया गया। ये वृक्ष पर्यावरण और जैव विविधता की दृष्टि से अत्यंत मूल्यवान हैं। ठाणे में संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान और ठाणे खाड़ी जैसे दो संरक्षित क्षेत्र हैं, जिसके कारण ठाणे शहर वृक्ष विविधता से समृद्ध है। 'वृक्षबंधन' पहल का उद्देश्य समाज को पर्यावरण संरक्षण का संदेश देना, भारतीय मूल के वृक्षों के महत्व को समझाना और त्योहारों में स्थिरता और प्राकृतिकता को बनाए रखना था।वंशक्ति की परियोजना अधिकारी चित्रा म्हस्के ने कहा कि यह पहल केवल राखी बांधने तक सीमित नहीं है, यह प्रकृति के साथ घनिष्ठ संबंध बनाए रखने और पर्यावरण संरक्षण के विचार को भावी पीढ़ियों तक पहुँचाने का एक सशक्त प्रयास है। एम. एच. विद्यालय ऐसी अनेक गतिविधियों के आयोजन हेतु सदैव पहल करता रहेगा।

ठाणे जिला परिषद और उम्मीद फाउंडेशन ने दिव्यांग नेत्रहीन लाभार्थियों को चादरें तथा कंबल वितरित किए

ठाणे जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रोहन घुगे ने वांगणी और बेलवली का दौरा किया।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

बदलापुर. मंगलवार 5 अगस्त को ठाणे जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रोहन घुगे ने अंबरनाथ तहसील के अंतर्गत आने वाले वांगणी और बदलापुर के बेलवली परिसर का दौरा किया। इस दौरान रोहन घुगे और उनके मातहत अधिकारियों ने जिला परिषद से संबंधित विभिन्न सामाजिक, स्वास्थ्य संबंधी और विकासात्मक कार्यों और गतिविधियों को अंजाम दिया गया। इस दौरे पर परियोजना निदेशक छाया देवी शिसोदे, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. गंगाधर पारगे, समूह विकास अधिकारी अंबरनाथ पंडित राठौड़, उप अभियंता पंकज कोचुरे और अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।इस बीच उम्मीद फाउंडेशन के सहयोग से वांगणी ग्राम पंचायत में नेत्रहीन लाभार्थियों को कंबल और तौलिया वितरित की गई। इस कार्यक्रम के पश्चात मुख्य कार्यकारी अधिकारी रोहन घुगे ने वार्ड क्रमांक 5 में नेत्रहीन लाभार्थियों के घर जाकर उनकी समस्याओं को सुनकर उनकी समस्याओं को तत्काल दूर करने का आश्वासन भी दिया।इसके पश्चात वे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र वांगणी के दौरे पर गए और उन्होंने वहां उपलब्ध सेवाओं, दवाइयों के भंडार, स्वास्थ्य कर्मियों की उपस्थिति, रोगियों की देखभाल आदि संबंधी बिंदुओं का निरीक्षण किया। इसके साथ ही उन्होंने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के नवीन भवन के निर्माण कार्य की प्रगति का निरीक्षण भी किया।उन्होंने बदलापुर के बेलवली परिसर में प्रस्तावित मॉल के लिए चिन्हित स्थल का निरीक्षण भी किया। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस परियोजना के माध्यम से रोजगार और व्यवसाय के अवसर उपलब्ध होंगे।

150 साल पुराना बरगद का पेड़ गिरा

गांव का मुख्य मार्ग अवरुद्ध, एक बकरी की मौत; आवागमन ठप

मिर्जापुर, पड़री थाना क्षेत्र के सरैया कमर घटा गांव में बृहस्पतिवार की दोपहर बाद अचानक एक विशाल बरगद का पेड़ धराशायी हो गया। यह पेड़ लगभग 150 साल पुराना था और गांव के मुख्य मार्ग के किनारे स्थित था। घटना के समय पप्पू साहनी का घर बाल-बाल बच गया। अगर पेड़ घर पर गिरता तो बड़ी दुर्घटना हो सकती थी। घटना के वक्त घर में अधिकांश लोग मौजूद थे। संयोगवश उस समय मार्ग से कोई राहगीर नहीं गुजर रहा था, जिससे बड़ी जनहानि टल गई। हालांकि, पप्पू साहनी के घर के बाहर बंधी पांच बकरियों में से एक की मौके पर ही मौत हो गई। एक अन्य बकरी की स्थिति गंभीर है। घटना के समय घर स्वामी पप्पू साहनी बाढ़ पीड़ित ग्रामीणों को नाव से आवश्यक वस्तुएं लाने में मदद करने गए हुए थे। ग्रामीणों के अनुसार, यह मार्ग गांव के स्कूल, खेत और बाजार जाने के लिए प्रमुख रास्ता है। पेड़ गिरने से आवागमन पूरी तरह ठप हो गया है। इससे ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सूचना मिलते ही ग्राम प्रधान महेश यादव मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। पेड़ को हटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि समय रहते गांव के पुराने और कमजोर पेड़ों की जांच कर कार्रवाई की जाए। इससे भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचा जा सकेगा।

दो बाइकों की टक्कर में महिला की मौत

- शाहजहांपुर में बेटी को अस्पताल में खाना देने जाते समय हादसा, लखीमपुर की रहने वाली थी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, हाईवे पर दो बाइकों की टक्कर में एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। पुलिस ने घायल महिला को राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। इलाज के दौरान गुरुवार को उसकी मौत हो गई। मृतका की पहचान लखीमपुर जिले के थाना उचौलिया क्षेत्र के दियापुर निवासी 45 वर्षीय सोमवती के रूप में हुई है। सोमवती की बेटी पिछले कुछ दिनों से शाहजहांपुर के राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती है। घटना बीती रात की है। सोमवती अपने पति जगरूप के साथ बाइक से अपनी बेटी को खाना देने जा रही थीं। रोजा थाना क्षेत्र के बरतारा के पास हाईवे पर पीछे से आ रही एक बाइक ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में सोमवती बुरी तरह घायल हो गईं। उनके पति की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। घायल महिला को राजकीय मेडिकल कॉलेज पहुंचाया गया। वहां इलाज के दौरान गुरुवार को उनकी मौत हो गई। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले की जांच जारी है।

लाउडस्पीकर के बारे में किसी को कानून हाथ में लेने की इजाजत नहीं : पुलिस आयुक्त

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , मस्जिदों के लाउडस्पीकर हटाने के संबंध में बार-बार की जा रही जहरीली टिप्पणियों और बयानों के खिलाफ मुस्लिम धर्मगुरुओं ने कड़ी नाराजगी जताई और विधायक जितेंद्र आव्हाड से मदद करने का अनुरोध किया। इस मुद्दे को लेकर पुलिस आयुक्त आशुतोष डुंबरे से मुलाकात किया। पुलिस आयुक्त ने उनकी शिकायतें सुनने बाद कहा कि न्यायालय के आदेश का सबको पालन करना होगा और कानून हाथ में लेने की किसी को अधिकार नहीं है। आज धर्म गुरुओं के प्रतिनिधिमंडल ने विधायक डॉ जितेंद्र आव्हाड, अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व सदस्य सैयद अली अशरफ, एनसीपी मुंब्रा कलवा अध्यक्ष शमीम खान के नेतृत्व में पुलिस आयुक्त अशुतोष डूंबरे से मुलाकात की और कानूनी तरीकों से समस्या का समाधान निकालने की बात कही। साथ ही किसी भी तरह के भड़काऊ और विवादास्पद बयानों पर रोक लगाने की अपील की। पुलिस आयुक्त ने आश्वासन दिया कि किसी को कानून अपने हाथ में लेने की अनुमति नहीं है और ऐसा मौका नहीं दिया जाएगा।हाल ही में, भाजपा नेता किरीट सोमैया ने कलवा पुलिस स्टेशन में आकर मस्जिदों के लाउडस्पीकरों को लेकर एक विवादित बयान दिया, जिस पर कलवा और मुंब्रा पुलिस ने मस्जिदों के प्रशासन से लाउडस्पीकरों को लेकर सवाल करना शुरू कर दिया, जिससे इमामों और मस्जिदों के पदाधिकारियों में चिंता फैल गई। आज विधायक आव्हाड और शमीम खान, सैयद अली अशरफ के साथ उलेमाओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने आयुक्त को इन स्थितियों से अवगत कराया। और उन्होंने कहा कि पुलिस को मस्जिदों पर सख्ती नहीं करनी चाहिए, न ही किसी मौलवी को पुलिस स्टेशन में बुलाया जाना चाहिए। जो भी कानूनी तरीका है, हम खुद उसका पालन कर रहे हैं। आप पुलिस से लाउडस्पीकर परमिट जारी करने के लिए कहें। प्रतिनिधि मंडल में शामिल एडवोकेट जलील नौरंगे ने आयुक्त को बताया कि गुजरात उच्च न्यायालय ने खुद कहा है कि मस्जिदों से अजान देना ध्वनि प्रदूषण नहीं है। इन सब बातों को सुनने के बाद पुलिस आयुक्त ने कहा कि भविष्य में ऐसा कुछ नहीं होगा, जो भी किया जाएगा कानून के दायरे में रहकर किया जाएगा और पुलिस की तरफ से ऐसी कोई शिकायत नहीं मिलेगी। उन्होंने कहा कि राजनीति अपनी जगह है लेकिन किसी को भी कानून अपने हाथ में लेने या शांति भंग करने की इजाजत नहीं दी जा सकती। उन्होंने उलेमाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आप लोग चिंता न करें, ऐसी बातें लोगों में न फैलने दें, हम ऐसा कोई कदम नहीं उठाएंगे जिससे आपको ठेस पहुंचे। पुलिस कानून और लोगों के साथ खड़ी है। बैठक के बाद जितेंद्र आव्हाड ने मीडिया से कहा कि कुछ लोग दूसरों के घरों में आग लगाते हैं, उन्हें नहीं पता कि अगर एक घर से चिंगारी उठेगी तो पूरा गांव जल जाएगा। आव्हाड ने कहा कि अजान पर प्रतिबंध की मांग करने वालों को पता होना चाहिए कि भजन और गणपति के लाउडस्पीकर पर भी प्रतिबंध लगा दिया जाएगा, फिर वे क्या करेंगे? यह देश संस्कृत प्रधान देश है जहां कहीं से अजान सुनाई देती है, कहीं से घंटियां सुनाई देती हैं, और कहीं से प्रार्थना सुनाई देती है। यही इसकी पहचान है और यही इसकी शान है। सैयद अली अशरफ ने बताया कि डीसीपी ने खुद मुंबई के मदनपुरा स्थित एक मस्जिद में घुसकर लाउडस्पीकर उतरवा दिया था। उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई चल रही है और अब वह डीसीपी कोर्ट के चक्कर काट रहे हैं क्योंकि उन्होंने कानून का उल्लंघन किया था। शमीम अहमद खान ने बताया कि मुंब्रा में लाउडस्पीकर को लेकर लोगों में बेचैनी है। पुलिस ने 81 मस्जिदों को लाउडस्पीकर के परमिट जारी किए हैं और बाकी को भी दिए जा रहे हैं। इस दौरान मुफ्ती अशरफ ने कहा कि पुलिस किसी मौलाना को न बुलाए, बल्कि वहां जाकर ट्रस्टी से बात करे और जो भी कागजात चाहिए होंगे, हम दे देंगे। इस दौरान मौलाना अब्दुल वहाब कासमी, मौलाना सगीर बरकती, मौलाना शफीकुर्रहमान नदवी समेत कई अन्य उलेमा मौजूद थे।

यूरिया खाद की किल्लत से परेशान किसानों का हंगामा

शाहजहांपुर में सबली टोल प्लाजा के पास हाईवे पर लगाया जाम, पुलिस ने समझाकर खुलवाया

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, पुवायां तहसील में किसानों को काफी समय से यूरिया खाद की किल्लत का सामना करना पड़ रहा है। किसान सहकारी समितियों में सुबह से ही लाइनों में लगते हैं। लेकिन देर शाम तक भी उन्हें खाद नहीं मिल पाती है। परेशान होकर किसानों ने सबली टोल प्लाजा के समीप हाईवे पर जाम लगा दिया। सूचना मिलने पर पुलिस फोर्स मौके पर पहुंची। पुलिस ने किसानों को समझा-बुझाकर जाम खुलवाया और खाद दिलवाने का आश्वासन दिया। यह मामला पुवायां थाना क्षेत्र के मुडियां कुर्मियांत स्थित बहुउद्देशीय प्राथमिक ग्रामीण सहकारी समिति लिमिटेड का है। किसानों को इस ग्रामीण सहकारी समिति से काफी समय से खाद नहीं मिल पा रही थी। जाम खुलवाने के बाद पुलिस ने बहुउद्देशीय प्राथमिक ग्रामीण सहकारी समिति लिमिटेड के सचिव को बुलवाया। उन्होंने मौके पर ही सहकारी समिति में उपलब्ध खाद का वितरण किसानों के बीच करवाया। इससे किसानों का गुस्सा शांत हुआ और वे अपने घरों को लौट गए।

घट रहा बाढ़ का पानी, खतरे से नीचे आई गंगा

मिर्जापुर में विधायक मिश्रा ने बाढ़ प्रभावितों को बांटे राशन किट

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मिर्जापुर , मिर्जापुर में गंगा नदी का जलस्तर खतरे के निशान से नीचे आ गया है। गंगा का जलस्तर 77.290 मीटर दर्ज किया गया। यह खतरे के निशान 77.724 मीटर से 43 सेंटीमीटर नीचे है। राहत की बात यह है कि जलस्तर में घटाव का रुझान जारी है। पिछले दो घंटों में कुल 9 सेंटीमीटर की कमी दर्ज की गई है। इसकी औसत दर 4.500 सेमी प्रति घंटा रही है। मिर्जापुर में गंगा नदी का चेतावनी बिंदु 76.724 मीटर और खतरे का निशान 77.724 मीटर पर अंकित है। 2024 में अधिकतम जलस्तर 17 सितम्बर को 76.530 मीटर दर्ज हुआ था। अब तक का सर्वाधिक बाढ़ स्तर 09 सितम्बर 1978 को 80.34 मीटर रहा है। गंगा के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए कोन विकास खंड में राहत शिविर स्थापित किया गया है। प्रभावित क्षेत्रों के लोगों की सहायता के लिए नगर विधायक पंडित रत्नाकर मिश्रा ने मौके पर पहुंचकर राशन किट वितरित किए। विधायक मिश्रा ने कहा, ₹प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा है कि संकट की इस घड़ी में हर जरूरतमंद तक मदद पहुंचे। किसी को कोई परेशानी न हो, इसके लिए प्रशासन तत्पर है। किसी भी समस्या की जानकारी तत्काल दें ताकि समाधान हो सके।₹ प्रशासन द्वारा लगातार बाढ़ वाले क्षेत्र पर निगरानी रखी जा रही है। बाढ़ प्रभावित इलाकों में दवा का छिड़काव और पशुओं के टीकाकरण की कार्रवाई की जा रही है। एमएलसी विनीत सिंह, भाजपा नेता मनोज जायसवाल तथा विहिप के पूर्व नेता मनोज श्रीवास्तव भी बाढ़ पीड़ितों से मुलाकात कर राहत कार्य में लगे हैं।

सीएमएसडी घोटाले के बाद पुवायां सीएचसी में आपूर्ति ठप

- दो महीने से इंसुलिन सीरिंज नहीं, रेबीज के इंजेक्शन के लिए मरीजों को बाहर से खरीदनी पड़ रही

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, पुवायां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पिछले दो महीने से इंसुलिन सीरिंज की भारी किल्लत है। रेबीज के इंजेक्शन लगवाने आने वाले मरीजों को सीरिंज बाहर से खरीदनी पड़ रही है। इससे मरीजों पर आर्थिक बोझ पड़ रहा है और स्वास्थ्यकर्मियों से उनकी नोकझोंक भी हो रही है। पुवायां सीएचसी में इंसुलिन सीरिंज न होने से रेबीज सहित अन्य इंजेक्शन लगाने में कठिनाई आ रही है। मरीजों को बाहर की दुकानों से सीरिंज खरीदनी पड़ रही है। यह स्थिति दो महीने से जारी है। सीएचसी प्रभारी डॉ. नरेंद्र पाल ने बताया कि शाहजहांपुर के सीएमएसडी में बड़े पैमाने पर घोटाला पकड़े जाने के बाद अधिकारियों के निर्देश पर औषधि भंडार बंद कर दिया गया है। इसी कारण पुवायां सहित अन्य सीएचसी और पीएचसी में आवश्यक दवाओं और मेडिकल सामग्री की आपूर्ति बाधित हुई है। उन्होंने बताया कि पुवायां सीएचसी में न केवल इंसुलिन सीरिंज बल्कि अन्य आवश्यक सामग्री की भी कमी है। उच्चाधिकारियों को मांग भेजी गई है और जल्द ही सामग्री की आपूर्ति की उम्मीद है। समाज सेविका चंद्रकला ने बताया कि वह अपनी बेटी के साथ रेबीज का इंजेक्शन लगवाने पुवायां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गई थीं। लेकिन स्टाफ ने उन्हें इंसुलिन सीरिंज खत्म होने की बात बताते हुए बाहर से सीरिंज लाने को कहा। ग्रामीणों और मरीजों ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि शीघ्र ही इंसुलिन सीरिंज और अन्य आवश्यक सामग्री की व्यवस्था की जाए। इससे गरीब मरीजों को इलाज में परेशानी नहीं होगी।

भारत संवाद परिवार

1-संरक्षक-भारत संवाद
डॉ राम किशोर शर्मा
पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित,
2-संरक्षक-भारत संवाद
आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय
भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ
3-संरक्षक-भारत संवाद
गजानन महतपुरकर
(सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त)
4-कला एवं मनोरंजन संपादक
(भारत संवाद)
जगन्नाथ तिवारी
5-उपसंपादक (भारत संवाद)
माता प्रसाद शर्मा
6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण
(भारत संवाद)
आशीष कुमार शर्मा

ट्रम्प के सलाहकार बोले- भारत टैरिफ महाराजा

वे अमेरिकी सामानों पर सबसे ज्यादा टैरिफ लगा रहे; ट्रम्प की भारत पर सेकेंडरी सैंक्शंस की धमकी

एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के सलाहकार पीटर नवारो ने भारत पर एक्स्ट्रा टैरिफ लगाने के अमेरिकी फैसले का बचाव किया। उन्होंने भारत को टैरिफ का महाराजा करार देते हुए कहा कि भारत अमेरिकी सामानों पर दुनिया में सबसे ज्यादा टैरिफ और नॉन-टैरिफ बाधाएं लगाता है, जिससे अमेरिकी प्रोडक्ट्स को भारतीय मार्केट में एंट्री करने में मुश्किल होती है। ट्रम्प ने भारत पर 25% एक्स्ट्रा टैरिफ लागू करने को लेकर पूछे गए सवाल पर यह जवाब दिया। ट्रम्प से पूछा गया था कि अमेरिका ने भारत पर ही क्यों सख्ती की, जबकि चीन जैसे और देश भी रूस से तेल खरीद रहे हैं। भारत पर अब कुल अमेरिकी टैरिफ 50% हो गया है। ट्रम्प ने बुधवार को एग्जीक्यूटिव ऑर्डर पर साइन कर 25% टैरिफ बढ़ा दिया। बढ़ा हुआ टैरिफ 27 अगस्त से लागू होगा। आज से भारत पर 25% टैरिफ लागू हो गया है। एग्जीक्यूटिव ऑर्डर में कहा गया है कि रूसी तेल खरीद की वजह से भारत

पर यह एक्शन लिया गया है। नवारो ने गुरुवार को मीडिया से बात करते हुए कहा- भारत अमेरिकी डॉलर का इस्तेमाल रूसी तेल खरीदने के लिए करता है। फिर रूस उन डॉलर का इस्तेमाल हथियार बनाने में करता है, जिनसे यूक्रेन में लोग मारे जा रहे हैं। इसके बाद अमेरिकी टैक्सपेयर्स को यूक्रेन की रक्षा के लिए हथियारों पर खर्च करना पड़ता है। यह गणित ठीक नहीं है। चीन पर समान कार्रवाई न करने के सवाल पर नवारो ने कहा कि चीन पर पहले से ही 50% से ज्यादा टैरिफ हैं। हम ऐसा कोई कदम नहीं उठाना चाहते जिससे हमें नुकसान हो। भारतीय विदेश मंत्रालय ने इस कार्रवाई को गलत बताया है। ये वो प्रतिबंध होते हैं जो किसी देश पर सीधे नहीं, बल्कि किसी तीसरे देश से उसके व्यापारिक रिश्तों के चलते लगाए जाते हैं। यानी अमेरिका सीधे भारत को टारगेट न करके, उन कंपनियों और बैंकों पर सख्ती कर सकता है जो रूस से तेल खरीद में शामिल हैं। भारत ने रूस-यूक्रेन जंग के बावजूद रूस से सस्ता कच्चा तेल खरीदना जारी रखा है। अमेरिका लंबे समय से भारत पर इस फैसले को लेकर दबाव बना रहा है। हालांकि भारत हमेशा कहता रहा है कि उसकी ऊर्जा जरूरतें उसके राष्ट्रीय हित से जुड़ी हैं। भारत सरकार प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष तरीके से रूस से तेल आयात कर रही है। ऐसे में अमेरिका में दाखिल होने वाले भारत के सामानों पर 25% एक्स्ट्रा टैरिफ लागू होगा। हालांकि कुछ खास परिस्थितियों में इस टैरिफ से छूट भी दी जाएगी जैसे कि यदि कोई सामान पहले ही समुद्र में लद चुका है और रास्ते में है, या यदि वह कुछ खास तारीख से पहले अमेरिका में पहुंच चुका है। इससे पहले मार्च 2022 में अमेरिका ने एक आदेश जारी कर रूसी तेल और उससे जुड़े उत्पादों के अपने देश में आयात पर पूरी तरह रोक लगा दी थी। अब ट्रम्प प्रशासन ने यह पाया कि भारत उस रूसी तेल को खरीद रहा है, जिससे रूस को आर्थिक मदद मिल रही है।

इस वजह से अब अमेरिका ने भारत पर यह नया टैरिफ लगाने का फैसला किया है। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ने मंगलवार को भारत पर 24 घंटे के भीतर एक्स्ट्रा टैरिफ लगाने की धमकी दी थी। ट्रम्प ने कहा था कि भारत, रूस के साथ व्यापार करके यूक्रेन के खिलाफ रूसी वॉर मशीन को ईंधन देने का काम कर रहा है। इस वजह से अमेरिका को सख्त कदम उठाने की जरूरत है।

पुतिन इस साल के आखिर में भारत आएंगे

रूस से तेल खरीदने को वजह बताकर ही ट्रम्प ने भारत पर टैरिफ लगाया

एजेंसी

मॉस्को/नई दिल्ली, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन इस साल के आखिरी हफ्ते में भारत दौरे पर आ सकते हैं। रूसी न्यूज एजेंसी तास के मुताबिक, यह जानकारी भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने दी है। डोभाल ने रूसी रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगु से मुलाकात में कहा, ₹अब हमारे बहुत अच्छे रिश्ते बन गए हैं, जिनकी हम कदर करते हैं। हमारे देशों के बीच एक मजबूत साझेदारी है और हम हाई लेवल पर बातचीत करते हैं।₹ भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल बुधवार को रूस

पहुंचे। उनकी राष्ट्रपति पुतिन के साथ भी मुलाकात हो सकती है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद डोभाल की यह पहली मॉस्को यात्रा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की तरफ से रूस के साथ भारत के संबंधों पर की गई टिप्पणियों की वजह से ये यात्रा काफी अहम मानी जा रही है। ट्रम्प ने रूस से तेल खरीदने को वजह बताकर ही भारत पर पहले 25% फिर 50% टैरिफ लगाया है। आखिरी बार 2021 में भारत आए थे पुतिन राष्ट्रपति पुतिन ने 06 दिसंबर 2021 को भारत की यात्रा की थी। तब वे सिर्फ 4 घंटे के लिए भारत आए थे। इस दौरान भारत और रूस के बीच 28 समझौते पर दस्तखत हुए थे। इसमें मिलिट्री और तकनीकी समझौते शामिल थे। दोनों देशों ने 2025 तक 30 अरब डॉलर (2 लाख 53 हजार करोड़ रुपए) सालाना ट्रेड का टारगेट रखा था। फरवरी 2022 में यूक्रेन वॉर शुरू होने के बाद यह पुतिन की पहली भारत यात्रा होगी। इस विजिट से दोनों देशों के बीच 2030 के लिए नए आर्थिक रोडमैप को आगे बढ़ाने की उम्मीद है। भारत और रूस अपने बाइलैटरल ट्रेड को दोगुना करके सालाना 100 अरब डॉलर से ज्यादा करने पर सहमत हुए हैं। फिलहाल दोनों देशों के बीच करीब 60 अरब डॉलर का द्विपक्षीय व्यापार है। पीएम मोदी ने साल 2024 में दो बार रूस की यात्रा की थी। वे बीआरआईसीएसईसी समिट के लिए 22 अक्टूबर को रूस गए थे। इससे पहले जुलाई में भी मोदी ने दो दिन का रूस दौरा किया था। तब उन्होंने पुतिन को भारत आने का न्योता दिया था।

पाक आर्मी चीफ मुनीर इस हफ्ते अमेरिका जाएंगे

दो महीने में दूसरा वॉशिंगटन दौरा; राष्ट्रपति ट्रम्प से मुलाकात संभव

एजेंसी

पाकिस्तान के आर्मी चीफ फील्ड मार्शल असीम मुनीर इस हफ्ते अमेरिका के दौरे पर जाएंगे। वह सेंटकॉम (सेंट्रल कमांड) के नए प्रमुख की नियुक्ति समारोह में शामिल होंगे। यह दो महीने में उनकी अमेरिका की दूसरी यात्रा होगी। इससे पहले वे 14 जून को वॉशिंगटन डीसी में अमेरिकी सेना की 250वीं वर्षगांठ के जश्न में शामिल हुए थे। इसके अलावा मुनीर ने राष्ट्रपति ट्रम्प के साथ व्हाइट हाउस में दो घंटे की लंच मीटिंग की थी। यह बैठक बंद कमरे में हुई थी। यह पहली बार था जब किसी अमेरिकी राष्ट्रपति ने पाकिस्तान के आर्मी चीफ की मेजबानी की। मुनीर ने ट्रम्प को मई में भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष रुकवाने का क्रेडिट दिया था। साथ ही ट्रम्प को नोबेल पुरस्कार के लिए नॉमिनेट किया है। पाकिस्तान ने अमेरिका के सेंट्रल कमांड प्रमुख जनरल माइकल कुरिल्ला को देश के सबसे बड़े सैन्य सम्मान निशान-ए-इम्तियाज से नवाजा है। यह सम्मान पिछले महीने इस्लामाबाद में राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने दिया गया। जनरल कुरिल्ला को यह सम्मान क्षेत्रीय शांति को बढ़ावा देने और पाकिस्तान-अमेरिका सैन्य संबंधों को मजबूत करने के लिए दिया गया। जनरल कुरिल्ला ने पाकिस्तान के राष्ट्रपति जरदारी और सेना प्रमुख असीम मुनीर से मुलाकातें कीं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस सम्मान के जरिए पाकिस्तान, अमेरिका के लिए अपनी वफादारी जाहिर कर रहा है। आर्मी चीफ फील्ड मार्शल आसिम मुनीर संभालेंगे। ट्रम्प ने मुनीर के साथ डिनर डिप्लोमेसी के तहत क्रिप्टो डील को फाइनल की है। पाक क्रिप्टो काउंसिल ने पाकिस्तान के 17,000 करोड़ रुपए के क्रिप्टो बिजनेस का ट्रम्प परिवार के दबदबे वाली वर्ल्ड लिबर्टी फाइनेंशियल से करार किया है। पाक सरकार ने क्रिप्टो बिजनेस के अनुकूल नीतियों में बदलाव भी शुरू कर दिए हैं।

भारत से संघर्ष के बाद आसिम मुनीर को फील्ड मार्शल बनाया गया

पाकिस्तान के आर्मी चीफ आसिम मुनीर को पिछले मई में प्रमोट करके फील्ड मार्शल बनाया गया है। फील्ड मार्शल पाकिस्तान सेना में सर्वोच्च पद है। मुनीर का ये प्रमोशन भारत के खिलाफ ऑपरेशन बुनयान-उम-मार्सूस के दौरान आर्मी को लीड करने की वजह से किया गया। इससे पहले 1959 में अयूब खान ने पाकिस्तान में सत्ता परिवर्तन करने के बाद खुद को पहला फील्ड मार्शल घोषित किया था।

अमेरिका में जॉर्जिया राज्य के मिलिट्री बेस पर हमला

हमलावर ने 5 सैनिकों को गोली मारी; हमले वाली जगह सीज की गई

एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी, अमेरिका के जॉर्जिया राज्य में फोर्ट स्टीवर्ट मिलिट्री बेस पर बुधवार को एक हमलावर ने गोलीबारी की, जिससे पांच सैनिक घायल हो गए। हमले के बाद मिलिट्री बेस के कुछ हिस्सों को सीज कर दिया गया। भारतीय समयानुसार बुधवार रात 8:26 बजे इस हमले खबर मिली। सभी घायल सैनिकों का तुरंत मौके पर इलाज किया गया और बाद में उन्हें आगे के इलाज के लिए विन आर्मी कम्युनिटी हॉस्पिटल ले

जाया गया। हमलावर को पकड़ लिया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स में मुताबिक, वह भी सैनिक है। राष्ट्रपति ट्रम्प को भी हमले के बारे में जानकारी दी गई। व्हाइट हाउस की प्रवक्ता कैरोलिन लेविट ने पर लिखा कि सरकार हालात पर नजर बनाए हुए है। जॉर्जिया में तीन स्कूलों में भी लॉकडाउन लगा दिया गया है। मेडिकल हेलिकॉप्टर घटनास्थल पर पहुंच चुके हैं। फोर्ट स्टीवर्ट बेस ने अपने फेसबुक पोस्ट में कहा- आज 2ल्ला आर्मर्ड ब्रिगेड कॉम्बैट टीम इलाके में हुई गोलीबारी में पांच सैनिक घायल हो गए। सभी सैनिकों का मौके पर इलाज किया गया और फिर उन्हें हॉस्पिटल में एडमिट किया गया। जॉर्जिया के गवर्नर ब्रायन केम्प ने पर लिखा- हम लगातार अधिकारियों के साथ संपर्क में हैं। हम पीड़ितों, उनके परिवारों और देश की सेवा करने वालों के लिए प्रार्थना करते हैं।₹ गोलीबारी की वजह का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है। फोर्ट स्टीवर्ट मिलिट्री बेस अमेरिका का एक प्रमुख सैन्य अड्डा है, जो जॉर्जिया राज्य के हाइन्सविल और सवाना के पास मौजूद है। यह 280000 एकड़ में फैला हुआ है। इसकी स्थापना 1940 में सेकेंड वर्ल्ड वॉर के दौरान हुई थी। इसे शुरू में कैंप स्टीवर्ट कहा जाता था। बाद में एक अमेरिकी वॉर हीरो डैनियल स्टीवर्ट के नाम पर इसे फोर्ट स्टीवर्ट नाम दिया गया। यहां सैनिकों को मिलिट्री ट्रैनिंग दी जाती है। इसकी थर्ड इन्फैंट्री डिवीजन ने 2003 में इराक पर हमले में खास रोल निभाया था।

'अर्थव्यवस्था आईसीयू में है'

ट्रंप के भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने पर अभिषेक बनर्जी का बयान

एजेंसी

कोलकाताः अमेरिका ने भारतीय प्रोडक्ट पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा की है, जिस पर तृणमूल कांग्रेस के महासचिव अभिषेक बनर्जी ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की और भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा है. गुरुवार को कोलकाता हवाई अड्डे पर पत्रकारों को संबोधित करते हुए, उन्होंने इस मुद्दे पर बीजेपी नेतृत्व की भूमिका पर सवाल उठाए.उन्होंने आरोप लगाया कि मौजूदा स्थिति अंतरराष्ट्रीय व्यापार नीति और कूटनीतिक विफलताओं का परिणाम है. बनर्जी ने बिना किसी का नाम लिए कहा, यह सवाल उनसे पूछे जाने चाहिए जिनकी डोनाल्ड ट्रंप के साथ तस्वीरें हैं, जो लोग टेक्सास गए, ट्रंप के लिए प्रचार किया और जिनके लिए डोनाल्ड ट्रंप भारत आए, उन्हें जवाब देना चाहिए. उन्होंने कहा, भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया गया है. इस शुल्क का भारतीय अर्थव्यवस्था पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा. इससे विशेष रूप से तीन क्षेत्रों सूचना एवं प्रौद्योगिकी, कपड़ा और उनसे संबंधित समग्र वस्तुओं और सेवाओं पर असर पड़ेगा. साथ ही रोजगार पर भी इसका प्रभाव होगा.

अभिषेक बनर्जी ने ट्रंप द्वारा टैरिफ लगाए जाने के बाद कूटनीतिक और अंतरराष्ट्रीय व्यापार नीति की विफलताओं को लेकर मोदी सरकार की आलोचना की.

'यह एक कूटनीतिक विफलता है'

टीएमसी महासचिव ने कहा, यह एक कूटनीतिक विफलता है. सरकार को इसके खिलाफ तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए. भारत को इससे सख़्ती से निपटना चाहिए, जो लोग भारत पर दबाव बनाना चाहते हैं, वे भारत को नीचा दिखाना चाहते हैं. उन्होंने आगे कहा, अचानक 56 इंच के सीने का दावा करने वाली सरकार, सत्ता में होने के बावजूद, आज विभिन्न देशों के रक्तपात का सामना कर रही है.'ट्रंप के लिए प्रचार किया'पहलगाम हमले का जिक्र करते हुए अभिषेक ने कहा, मैं एक विदेशी प्रतिनिधिमंडल के हिस्से के रूप में पांच देशों में गया हूं, लेकिन अभी कई देशों में से किसी ने भी पहलगाम की घटना की निंदा नहीं की है. हालांकि, जिन्होंने ट्रंप के लिए प्रचार किया और जिनके साथ ट्रंप ने कोरोना से ठीक पहले निकटता दिखाई, वे लोग सबसे अच्छे तरीके से बता सकते हैं कि अमेरिका ने यह टैरिफ क्यों लगाया.ट्रंप ने खुद कहा, भारत की अर्थव्यवस्था मर चुकी है. मैं इससे असहमत हूं, मैं कहूंगा कि अर्थव्यवस्था अब कउव में है. अभिषेक बनर्जी का कटाक्ष, जो लोग लगातार पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर को बहाल करने की बात करते हैं

'बदमाशों की तरह काम नहीं कर सकती ईडी, हमें चिंता है...'

ईडी की तरफ से एएसजी एसवी राजू ने कहा कि पीएमएलए मामलों में दोषसिद्धी दर कम इसलिए है क्योंकि अमीर और ताकतवर लोग अच्छेवकील करते हैं, कई याचिकाएं दाखिल करते हैं और ट्रायल नहीं चलने देते हैं.

एजेंसी की शक्तियों को लेकर उठे सवाल तो बोला सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय किसी बदमाश की तरह काम नहीं कर सकता है, उसको कानून के दायरे में रहकर काम करना होगा. कोर्ट ने ईडी की छवि को लेकर चिंता जताई और कहा कि कानून लागू करने वाले और कानून का उल्लंघन करने वाले निकायों में अंतर होता है. बार एंड बेंच की रिपोर्ट के अनुसार जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस उज्जल भुईयां और जस्टिस एन. कोटिश्वर सिंह की बेंच जुलाई, 2022 के सुप्रीम कोर्ट के एक आदेश के खिलाफ दाखिल याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी. इस फैसले में धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 के तहत ईडी की व्यापक शक्तियों की संवैधानिक वैधता को बरकरार रखा गया था.बेंच ने ईडी की छवि को लेकर चिंता जताते हुए कहा, 'हमने क्या देखा कि, जो संसद में एक मंत्री के बयान से भी सच साबित हो गया कि पांच हजार मामलों में से 10 से भी कम केस में दोषसिद्धि हुई.' हालांकि, इस दौरान एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने ईडी का बचाव किया और कोर्ट को बताया कि ये अंतर क्यों है. उन्होंने कहा कि पीएमएलए मामलों में दोषसिद्धी दर कम इसलिए है क्योंकि अमीर और ताकतवर लोग अच्छे वकीलों को हायर करते हैं और कई याचिकाएं दाखिल करते हैं. वे ट्रायल कोर्ट में मुकदमा भी नहीं चलने देते और उनमें देरी करते हैं.एएसजी राजू ने सुप्रीम कोर्ट से समीक्षा याचिकाओं पर विचार नहीं करने का अनुरोध करते हुए कहा कि अगर इन्हें अनुमति दी जाती है तो उस मामले के आदेश को फिर से लिखना होगा, जिसको इन्होंने चुनौती दी है और इसकी इजाजत नहीं दी जा सकती है. उन्होंने कहा कि समीक्षा याचिकाकताओं ने 2022 के फैसले की समीक्षा को आधार नहीं बनाया है.एएसजी राजू ने कहा कि याचिकाकताओं ने एक चांस लिया, लेकिन वे फेल हो गए और अब वे यह कह रहे हैं कि फैसला गलत था और उसकी समीक्षा की जानी चाहिए. एएसजी राजू ने कहा कि इस तरह समीक्षा नहीं की जा सकती है, पहले उन्हें यह साबित करना होगा कि इन दो मुद्दों को लेकर रिकॉर्ड में स्पष्ट रूप से त्रुटि है. उन्होंने कहा कि याचिकाकताओं को समीक्षा के लिए मजबूत आधार बनाना होगा.

पटना के डाक बंगला चौराहे पर पुलिस ने एसटीईटी अभ्यर्थियों पर लाठीचार्ज किया

सुरक्षाकर्मियों के बार-बार अनुरोध के बावजूद, उन्होंने सड़कें खाली करने से इनकार कर दिया। प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए हल्का बल प्रयोग किया गया। प्रदर्शनकारियों ने दावा किया कि लाठीचार्ज में कई लोग घायल हो गए, जिसे अधिकारियों ने नकार दिया।

एजेंसी

बिहार पुलिस ने गुरुवार को पटना में माध्यमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा (एसटीईटी) परीक्षा की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों पर लाठीचार्ज किया, जिसमें कई छात्र घायल हो गए। एसटीईटी परीक्षा आयोजित करने की मांग को लेकर बड़ी संख्या में छात्र जेपी गोलंबर पर जमा हुए थे।बृहस्पतिवार को यहां डाक बंगला चौराहे पर उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब पुलिस ने शिक्षक भर्ती परीक्षा (टीआरई-5) से पहले माध्यमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा (एसटीईटी) आयोजित करने की मांग कर रहे अभ्यर्थियों को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया। पुलिस

अधीक्षक, पटना (मध्य), दीक्षा ने पीटीआई-भाषा को बताया, प्रदर्शनकारी डाक बंगला चौराहे के पास जमा हो गए और यातायात को बाधित कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने अवरोधकों को लांघने की कोशिश भी की।सुरक्षाकर्मियों के बार-बार अनुरोध के बावजूद, उन्होंने सड़कें खाली करने से इनकार कर दिया। प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए हल्का बल प्रयोग किया गया। प्रदर्शनकारियों ने दावा किया कि लाठीचार्ज में कई लोग घायल हो गए, जिसे अधिकारियों ने नकार दिया।

क्या मोदी जी अपना 56 इंच का सीना तब दिखाएंगे जब ट्रंप 56% टैरिफ लगाएँगे?

ओवैसी का पीएम पर तंज

एक्स पर एक पोस्ट में, असदुद्दीन ओवैसी ने लिखा कि ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त टैरिफ लगा दिया है, जिससे यह 50 प्रतिशत हो गया है, क्योंकि हमने रूस से तेल खरीदा था। यह कूटनीति नहीं, बल्कि प्रमुख विदूषक की धौंस है, जो स्पष्ट रूप से यह नहीं समझते कि वैश्विक व्यापार कैसे काम करता है।

एजेंसी

एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने गुरुवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारतीय वस्तुओं पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने की आलोचना की और इसे प्रमुख विदूषक की धौंस बताया। ओवैसी ने यह भी कहा कि यह टैरिफ, जो कुल टैरिफ को 50 प्रतिशत तक बढ़ा देता है, भारतीय निर्यातकों, छोटे व्यवसायों और नौकरियों को नुकसान पहुँचाएगा। एक्स पर एक पोस्ट में, असदुद्दीन ओवैसी ने लिखा कि ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त टैरिफ लगा दिया है, जिससे यह 50 प्रतिशत हो गया है, क्योंकि हमने रूस से तेल खरीदा था। यह कूटनीति नहीं, बल्कि प्रमुख विदूषक की धौंस है, जो स्पष्ट रूप से यह नहीं समझते कि वैश्विक व्यापार कैसे काम करता है।

ओवैसी ने यह भी सवाल उठाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता इस मुद्दे पर चुप क्यों हैं। ओवैसी ने सरकार पर अपने धनी मित्रों को लाभ पहुँचाने के लिए भारत की रणनीतिक स्वतंत्रता को त्यागने का आरोप लगाया। पोस्ट में

लिखा है कि ये टैरिफ भारतीय निर्यातकों, एमएसएमई और निमार्ताओं को नुकसान पहुँचाएँगे। यह आपूर्ति श्रृंखलाओं को बाधित करेगा, एफडीआई को रोकेगा और नौकरियों को बुरी तरह प्रभावित करेगा। लेकिन नरेंद्र मोदी परवाह क्यों करेंगे? अब वे भाजपाई बाहुबली कहाँ हैं? पिछली बार मैंने पूछा था कि क्या मोदी जी अपना 56 इंच का सीना तब दिखाएँगे जब ट्रम्प 56% टैरिफ लगाएँगे। ट्रम्प 50% पर रुक गए। शायद वह हमारे गैर-जैविक प्रधानमंत्री से डर गए हैं? क्या अपनी रणनीतिक स्वायत्तता को बेचना आपके दोस्तों के अरबपतियों के खजाने को भरने के लायक था? शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने भी केंद्र सरकार की अस्पष्ट विदेश नीति की आलोचना की। उन्होंने बताया कि भारत को चीन का बहिष्कार करने के लिए कहा गया था, फिर भी सरकार ने आधिकारिक यात्राओं और व्यापार की अनुमति दी।

संक्षेप

पैमाइश के बाद भी दबंग नहीं छोड़ रहे जमीन

महिला किसान ने महिला आयोग से लगाई गुहार, पुलिस पर कार्रवाई न करने का आरोप

सुलतानपुर, जिले के जयसिंहपुर तहसील की एक महिला किसान ने उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग को पत्र लिखकर न्याय की गुहार लगाई है। नानेमऊ मलिकपुर की निवासी सोनी ने बताया कि उनकी कृषि भूमि बेलहरी ग्राम सभा में स्थित है। इस भूमि पर धारा 24 हदबरारी के अंतर्गत पक्की पैमाइश हो चुकी है। सोनी का आरोप है कि इसके बावजूद विपक्षी श्रीराम और खेतराम दबंगई दिखाते हुए उन्हें जमीन का कब्जा नहीं दे रहे हैं। महिला ने बताया कि आरोपी उनके साथ गाली-गलौज करते हैं। वे मारपीट की धमकी भी देते हैं।पीड़िता ने मोतिगरपुर थाने में शिकायत की। लेकिन थानाध्यक्ष ने कहा कि वे इस मामले में कुछ नहीं कर सकते। महिला आयोग से न्याय की मांग सोनी के अनुसार, आरोपी उन्हें धमकाते हैं। वे कहते हैं कि वह कहीं भी शिकायत कर लें। वे जमीन का कब्जा नहीं छोड़ेंगे। आरोपियों का दावा है कि उन्हें थाने से जमीन जोतने-बोने की अनुमति मिली हुई है। अकेली महिला होने के कारण सोनी परेशान हैं। वह न्याय की मांग कर रही हैं। उन्होंने राज्य महिला आयोग से इस मामले में हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया है।

सेमरी में शिवलिंग की प्राण प्रतिष्ठा

गायत्री मंदिर से निकली भव्य शोभायात्रा, हर-हर महादेव के जयकारों से गूंजा कस्बा

सुलतानपुर, जयसिंहपुर कोतवाली क्षेत्र के सेमरी कस्बे में स्थित गायत्री परिवार ट्रस्ट के मंदिर में गुरुवार को सावन मास के पावन अवसर पर शिवलिंग की प्राण प्रतिष्ठा संपन्न हुई। यह धार्मिक कार्यक्रम वैदिक मंत्रोच्चारण और विधिविधान के साथ आयोजित किया गया। पंडित प्रभाकर शुक्ला के नेतृत्व में शिवलिंग की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम पूरा हुआ। इसके बाद शिवलिंग को सजी-धजी गाड़ी पर विराजमान कर पूरे कस्बे में शोभायात्रा निकाली गई।

हर घर तिरंगा अभियान की तैयारियां तेज

लम्भुआ में 10 से 15 अगस्त तक चलेंगे विभिन्न कार्यक्रम, शहीदों को दी जाएगी श्रद्धांजलि

सुलतानपुर, लम्भुआ ब्लॉक परिसर सभागार में भारतीय जनता पार्टी द्वारा 'हर घर तिरंगा' अभियान को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में आगामी स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई। कार्यक्रम के अनुसार, 10 अगस्त को ब्लॉक परिसर में स्वच्छता अभियान शुरू किया जाएगा। इसके बाद चौकिया रोड स्थित वीर अब्दुल हमीद पार्क तक तिरंगा अभियान चलाया जाएगा। 12 अगस्त को सभी शहीद स्थलों पर पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी। इसके साथ ही शहीदों के घर जाकर उनके परिजनों को सम्मानित किया जाएगा।

मां मैं कायर नहीं हूं कहकर युवक ने दी जान

प्रयागराज में मां बोली-बेटे का बाल पकड़कर घसीटा, फिर थाने में पुलिस से पिटवाया

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज, युवक ने फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। मरने से पहले मां से बोला-मैं कायर नहीं हूं, कभी हालत ऐसे हो जाते हैं, कुछ समझ ही नहीं आता। इसके बाद कमरे में गया, वहां पर पंखे में तौलाई लगाकर फंदा बनाया। गले में फंसाकर खड़ा हो गया। मां ने देखकर कहा कि बेटा ये क्या कर रहा है। नीचे उतर आ, वो नहीं माना, लटक गया। मां खिड़की से चीखती रही। इसके बाद सिर पकड़कर रोने लगी। बहन को फोन कर बुलाया। बहन ने पुलिस को जानकारी दी। मां का आरोप है कि मोहल्ले के लोगों ने 6 अगस्त को उसे पीटा था, इसके बाद थाने ले गए। वहां पुलिस को पैसे देकर उनसे भी पिटवाया। मैं थाने पहुंची, तब उसे छोड़ा। तब से वो परेशान था। ऐसा कदम उठा लेगा, कभी नहीं सोचा था। आरोपियों पर कार्रवाई होनी चाहिए। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। लाश को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। ये मामला खुल्दाबाद के करबला कस्बे का है। 9 साल पहले पिता छोड़कर चले गए करबला में राम प्रसाद वर्मा की पत्नी बिन्दु वर्मा, बेटी पूजा वर्मा व बेटा शनि उर्फ नवाब रहते हैं। 9 साल पहले उनका पति राम प्रसाद वर्मा उनको छोड़कर चले गए। तब से घर नहीं आए। बिंदु वर्मा ने बताया-मूलतः वह मध्यप्रदेश की रहने वाली हैं। लेकिन, 20 साल पहले पति के साथ यहां आकर बस गए। बच्चों का पेट पालने के लिए वो खुद प्राइवेट वर्क करती हैं। किराए के मकान में रहकर गुजर बसर पर रही हैं। बेटा शनि उर्फ नवाब प्राइवेट जॉब करता है। बेटी पूजा वर्मा करेली के एक डेंटल क्लिनिक में काम करती है। मां बोली-मेरे आने पर पुलिस ने छोड़ा मां बिंदु ने बताया-इलाके के रहने वाले काला की एक बार मेरे बेटे शनि से किसी बात बहस हो गई थी। इसके बाद से वो दुश्मनी रखता है। साहिल सोनकर, दिलावर, शुभम दिलावर मोंटी, अभिषेक, स्वयं 6 अगस्त को घर आए। ये सब काला के दोस्त हैं। शनि का बाल पकड़ कर घसीटकर ले गए। लाठी-डंडों से पीटा। इसके बाद थाने ले गए। वहां पर पुलिस से पिटवाया। जानकारी पर मैं पहुंची, तब पुलिस वालों ने छोड़ा। बहन बोली-बहुत रो रहा था भाई बहन पूजा वर्मा ने बताया-मेरे भाई को बेरहमी से मारा गया। उसके दाढ़ी और छाती के बाल नोंचे गए थे, हाथ पूरी तरह नोचा हुआ था, उंगली टेढ़ी हो गई थी। वह बार-बार कह रहा था कि मुझे बहुत पीटा गया है, दर्द हो रहा है। उन्होंने पहले भी उसे मारा था।

बाढ़ से मोहल्ला जलमग्न, जमींदोज हुआ मकान

लोग बोले-हम अंदर थे, आवाज सुनकर भागे, बिना घर के जीवन काट रहे

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज, करेली इलाके के नुरुल्ला रोड स्थित सदियापुर ईडन गार्डन में बाढ़ के पानी ने एक गरीब परिवार की जिंदगी में तबाही ला दी। पिछले 20 दिनों से बगल के नाले और आसपास के इलाकों में भरे बाढ़ के पानी से गुरुवार को एक मकान अचानक जमीन में धंस गया। इस दर्दनाक हादसे में एक पूरा परिवार बेघर हो गया, हालांकि समय रहते सभी लोगों ने किसी तरह जान बचा ली। लेकिन जो कुछ भी उन्होंने सालों की मेहनत से जोड़ा था, वह पलभर में मलबे में तब्दील हो गया। शिवबरन निषाद के बेटे भूपेंद्र निषाद अपनी पत्नी रेखा निषाद और तीन बच्चों के साथ इस मकान में रहते थे। जब हादसा हुआ, तब पूरा परिवार घर के अंदर ही मौजूद था। अचानक मकान की दीवारें और फर्श हिलने लगे और देखते ही देखते पूरी इमारत धराशायी हो गई। आवाजें सुनते ही परिवार जैसे-तैसे बाहर भागा और अपनी जान बचाई, लेकिन मकान पूरी तरह पलट चुका था। रेखा निषाद, जो अब अपने उजड़े आशियाने को देखकर बेसुध हो चुकी हैं, रो-रोकर कहती हैं, पूरी जिंदगी की कमाई हमने इस घर को बनाने में लगा दी थी। अब कुछ नहीं बचा। हमारी बेटी की शादी करनी है, लेकिन अब तो खुद सिर छिपाने की जगह नहीं है। हम कहां जाएं? उनका दर्द हर उस परिवार की कहानी बयां करता है जो प्राकृतिक आपदाओं की मार से उजड़ जाते हैं। परिवार के बेट कहना है कि यह पुस्तैनी जमीन थी और उनके पिता शिवबरन निषाद ने वर्षों तक मजदूरी करके इस घर को बनाया था। हम रोज की मजदूरी करके घर चलाते हैं। अब कुछ नहीं बचा, घर भी गया और रोजी-रोटी भी खतरे में पड़ गई। हमारा तो सब कुछ खत्म हो गया।

स्थानीय लोगों का कहना है कि पिछले कुछ हफ्तों से नाले में बाढ़ का पानी लगातार जमा हो रहा था, जिससे इलाके की जमीन कमजोर हो गई थी। नतीजा यह हुआ कि जमीन धीरे-धीरे अंदर धंसने लगी और आखिरकार यह हादसा हो गया।

सपा कार्यकर्ताओं ने पंचायत चुनाव को लेकर की बैठक

- अमेठी जिलाध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं से गुटबाजी छोड़ चुनाव की तैयारी में जुटने का किया आह्वान

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, समाजवादी पार्टी की मासिक बैठक गौरीगंज स्थित पार्टी कार्यालय में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष राम उदित यादव ने की। इस दौरान पंचायत चुनाव के लिए विशेष रणनीति बनाई गई। जिलाध्यक्ष राम उदित यादव ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा जातियों को आपस में लड़ाकर सामाजिक सौहार्द बिगाड़ रही है। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में समाजवादियों को सतर्क रहना चाहिए और संगठन को मजबूत बनाना है। राम उदित यादव ने सभी कार्यकर्ताओं से गुटबाजी से दूर रहने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि पंचायत चुनाव में पूरी ताकत से जुटना होगा। उनके अनुसार यही वह समय है जब जनता से सीधा संवाद कर समाजवादी विचारधारा को मजबूत किया जा सकता है। इस दौरान बैठक में अरशद अहमद, शिव प्रताप यादव, राकेश यादव कौहार, प्रो. रुदल यादव, के.डी. सरोज, जगन्नाथ यादव, अवधेश मिश्रा, राकेश यादव, घनश्याम सिंह, विक्रम सिंह, रामप्रसाद, बहराइची गुप्ता, लालजी यादव, दीपू तिवारी, अनिल यादव समेत कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ट्रक से बाइक टकराने से पिता की मौत

पुत्र समेत दो घायल, एक को जिला अस्पताल लखनऊ किया गया रेफर

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, लम्भुआ कोतवाली क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। लखनऊ-वाराणसी राष्ट्रीय राजमार्ग पर दोपहर में जिला अस्पताल से दवा लेकर लौट रहे तीन बाइक सवार सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गए। हादसे में तीन लोग हुए घायल हादसे में मामपुर लम्भुआ निवासी 60 वर्षीय जब्बार पुत्र जान मोहम्मद, उनके 32 वर्षीय पुत्र मोबीन और रिश्तेदार ताजुद्दीनपुर निवासी 55 वर्षीय नन्हे पुत्र अली रजा गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद तीनों की गंभीर स्थिति देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया। अस्पताल के रास्ते में पिता ने तोड़ा दम जिला अस्पताल में जब्बार को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। वही उनके पुत्र मोबीन की हालत गंभीर होने के कारण उसे लखनऊ रेफर कर दिया गया। नन्हे का इलाज जिला अस्पताल में जारी है। जानकारी के अनुसार, मृतक जब्बार हृदय रोग से पीड़ित थे और उनका इलाज चल रहा था। उनके दो पुत्र हैं, 36 वर्षीय इलियास और 32 वर्षीय मोबीन। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और ट्रक को अपने कब्जे में ले लिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

हर घर तिरंगा अभियान की तैयारी

- परिषदीय स्कूलों में हुई चित्रकला, निबंध और रंगोली प्रतियोगिताएं; बच्चों ने दिखाया उत्साह

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी, हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत नगर से लेकर ग्रामीण अंचल तक सभी परिषदीय विद्यालयों में विशेष प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में चित्रकला, रंगोली और निबंध लेखन शामिल थे, जिनमें बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कंपोजिट विद्यालय अमेठी, मॉडल प्राथमिक विद्यालय देवीपाटन द्वितीय, रणवीर नगर, रामनगर विद्यालय और महुआ ताली सहित सभी विद्यालयों में ये प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। प्रत्येक कक्षा के छात्र-छात्राओं ने इनमें उत्साह से भाग लिया।कंपोजिट विद्यालय में मध्यान्ह अवकाश से पहले चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें कक्षा 6, 7 और 8 के बच्चों ने सुंदर चित्र बनाए। भोजन अवकाश के बाद रंगोली और निबंध प्रतियोगिताएं हुईं। सभी प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं का चयन किया गया। प्रधानाध्यापक अमर बहादुर सिंह ने बताया कि हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत आयोजित इन प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करने वाले सभी बच्चों को पुरस्कृत किया जाएगा।

विद्युत लाइन रिपेयर के दौरान हादसा

शटडाउन के बावजूद भी करंट, लाइनमैन झुलसा; परिजनों ने की कार्रवाई की मांग

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी, दखिनवारा पावर हाउस क्षेत्र के मधुपुर उमरवल में विद्युत लाइन की मरम्मत के दौरान एक गंभीर हादसा हुआ। लाइन शटडाउन के बावजूद किसी ने विद्युत सप्लाई चालू कर दी, जिससे काम कर रहा लाइनमैन बुरी तरह झुलस गया। घटना के बाद ग्रामीणों ने घायल लाइनमैन को अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका इलाज जारी है। लाइनमैन के परिजनों ने इस लापरवाही के लिए जिम्मेदार लोगों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। परिवार का आरोप है कि घटना के समय जूनियर इंजीनियर (जेई) पावर हाउस पर मौजूद थे। इस मामले में भाजपा नेता विजय विक्रम सिंह ने विभागीय मंत्री को पत्र लिखकर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। इस घटना पर एसडीओ अनमोल चांद ने बताया कि सूचना मिलते ही वे लाइनमैन को अस्पताल लेकर पहुंचे। उन्होंने कहा कि लाइनमैन विद्युत करंट से काफी झुलस गया है। एसडीओ ने आश्वासन दिया कि शटडाउन के बाद लाइन में करंट किसने दौड़ाया, इसकी जांच की जाएगी। जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

शराब ठेका संचालक को तमंचे की बट मारकर लूटा

अलीगढ़ में कार सवार बदमाशों ने फायरिंग की, 1 लाख रुपये और 3 मोबाइल ले भागे

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

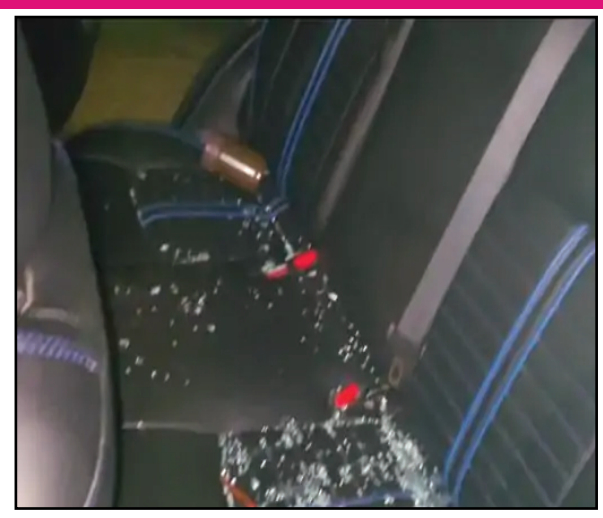

अलीगढ़ , बेखौफ कार सवार बदमाशों ने शराब ठेका संचालक से एक लाख रुपये, दो आईफोन सहित 3 मोबाइल व अन्य सामान लूट लिया। वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए। इससे पहले बदमाशों ने कार में तोड़फोड़ कर भी की। तमंचे की बट मारकर पीड़ित का सिर फोड़ दिया। सूचना पर डायल 112 की पीआरवी और इलाका पुलिस मौके पर पहुंच गई। घायल को अस्पताल भेजकर मुकदमा कर जांच शुरू कर दी है। मनीष कुमार पुत्र कैलाश चन्द्र अम्बेडकर नगर कॉलोनी नौरंगाबाद थाना गांधीपार्क का रहने वाला है। कमालपुर में कम्पोजिट शराब और बीयर का ठेका है। उसको बंद कर रात में कार से घर जा रहा था। कार में भाई चन्द्र प्रकाश और राजा भी बैठे थे। रास्ते में एसडीएस कॉलेज के पास कार पहुंची थी। आरोप है कि तभी बदमाशों ने उनकी कार के आगे अपनी कार लगाकर रोक लिया। कार में 4 बदमाश बैठे थे। उन्होंने फायरिंग करते हुए कार का शीशा तोड़ दिया। लूटपाट कर बदमाश भाग गए। राहगीरों की मदद से पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी। डायल 112 की पीआरवी मौके पर आ गई। पीड़ित से पुलिस ने घटना की जानकारी ली। उसने बताया कि कार में दिन भर की बिक्री के 1 लाख रुपये के अलावा दो आई फोन सहित 3 मोबाइल, कार और बाइक की चाबी लूटकर भाग गए। विरोध करने पर तमंचे की बट मारकर सिर फोड़ दिया। इसके बाद बदमाश धमकाते हुए कार से फरार हो गए। लूट की खबर पाकर परिजन भी मौके पर आ गए। इसके बाद सभी थाने गए। पीड़ित ने थाने में तहरीर दी। उसके बाद घायल मनीष को पुलिस ने अस्पताल भिजवाया। इस मामले में पुलिस का कहना है कि घटनास्थल का मौका मुआयना कर लिया है। पीड़ित से तहरीर लेकर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। साथ ही घटनास्थल के आसपास के लगे सीसीटीवी कैमरे खंगालने शुरू कर दिए।

डिलीवरी के दौरान महिला की मौत

डॉक्टर अस्पताल से भाग गए, परिजन बोले- गलत इंजेक्शन दिया

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मथुरा, राम रघु हॉस्पिटल में एक गंभीर घटना सामने आई। डिलीवरी के लिए लाई गई महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। महिला की मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। आक्रोशित परिजनों ने अस्पताल प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा कर दिया। परिजनों का कहना है कि डिलीवरी के दौरान गलत इंजेक्शन देने से महिला की जान चली गई। मृतका सौंख रोड क्षेत्र की रहने वाली थी। वह बुधवार को डिलीवरी के लिए परिजनों के साथ अस्पताल पहुंची थी। डिलीवरी के दौरान नवजात शिशु तो सुरक्षित रहा, लेकिन मां की अचानक मौत हो गई। परिजनों को जब महिला की मौत की जानकारी दी गई तो उन्होंने देखा कि मृतका का शरीर नीला पड़ चुका था और पूरी तरह ठंडा था। परिजनों का आरोप है कि स्टाफ ने इलाज में लापरवाही बरती और गलत इंजेक्शन दे दिया। घटना के बाद परिजनों ने अस्पताल में जमकर हंगामा किया। इस बीच अस्पताल का डॉक्टर मौके से फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को संभाला और परिजनों को जांच व कार्रवाई का भरोसा दिलाया। पुलिस ने महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया है।

पर्यावरण संरक्षण की अनूठी पहल

स्कूलों में जनसेवा कल्याण संस्था के संस्थापक ने किया पौधरोपण, परिसर को हरा-भरा रखने का उद्देश्य

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी, विकास खंड शुकुल बाजार के ग्राम पूरे शुक्लन प्राथमिक विद्यालय में जनसेवा कल्याण संस्था के संस्थापक पीके तिवारी ने वन संरक्षण अभियान के तहत पेड़ लगाए। इस पहल का उद्देश्य विद्यालय परिसर को हरा-भरा रखना है। पीके तिवारी पिछले एक महीने से लगातार इस अभियान को चला रहे हैं। वे ब्लॉक के लगभग सभी विद्यालयों और सरकारी संस्थानों में पेड़ लगाने का कार्य कर रहे हैं। प्रत्येक स्थान पर दो से पांच पेड़ लगाए जा रहे हैं। यह पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। तिवारी के इस कार्य की पूरे ब्लॉक में चर्चा हो रही है। क्षेत्र पंचायत सदस्य राम सिंह यादव ने इस पहल की सराहना की है।

वेद प्रकाश उपाध्याय की पुण्यतिथि पर हुई वॉलीबॉल प्रतियोगिता

16 टीमों ने लिया हिस्सा, बीजेपी सहकारिता प्रकोष्ठ के सहसंयोजक बोले-स्टेडियम में जल्द लगेगी चैंपियन की मूर्ति

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, शहर के पंत स्पोर्ट स्टेडियम में राष्ट्रीय वॉलीबॉल खिलाड़ी रहे स्व. वेद प्रकाश उपाध्याय 'चैंपियन' की प्रथम पुण्यतिथि पर एक दिवसीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में 16 टीमों ने चैंपियनशिप में हिस्सा लिया। कार्यक्रम में प्रदेश भाजपा सहकारिता प्रकोष्ठ के सहसंयोजक पंडित रामचंद्र मिश्रा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इसके अलावा वरिष्ठ खिलाड़ी राम शिरोमणि वर्मा, आर.बी. पांडेय, पिकलू सिंह, संजय कुमार समेत दर्जनों लोग मौजूद थे। कार्यक्रम संयोजक मुनेंद्र मिश्रा ने अतिथियों और वरिष्ठ खिलाड़ियों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। यह कैश मनी प्रतियोगिता थी जिसमें विजेता टीम को आकर्षक पुरस्कार देने की घोषणा की गई। पंडित रामचंद्र मिश्रा ने अपने संबोधन में कहा कि यह केवल एक प्रतियोगिता नहीं बल्कि स्व. वेद प्रकाश उपाध्याय की प्रथम पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि है। उन्होंने बताया कि स्टेडियम का जीर्णोद्धार स्व. वेद प्रकाश उपाध्याय के अथक प्रयासों का परिणाम है। वे लगातार संपर्क और संवाद बनाए रखते थे जब तक स्टेडियम का जीर्णोद्धार पूरा नहीं हुआ। मिश्रा ने घोषणा की कि वे स्टेडियम परिसर में स्व. वेद प्रकाश उपाध्याय की मूर्ति या चित्र लगवाने के लिए प्रयासरत हैं। उन्होंने कहा कि इससे खेल जगत से जुड़े लोग हमेशा उन्हें याद रखेंगे और उनके योगदान को जानेंगे।

स्वामी, प्रकाशक , मुद्रक अरविंद कुमार शर्मा द्वारा एफ एल टी ,एलजी 75 आर एम 4/4 इंदिरा नगर, सुंदर बाग,कुर्ला (प)मुंबई 400070 महाराष्ट्र से प्रकाशित एवं AIS PRINTING SOLUTION प्लांट नं० -A-544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एम आई डीसी माहपे नवी मुंबई ,ठाणे 400709 से मुद्रित। संपादक - अरविंद कुमार शर्मा

EMail-bsmumbai2017@gmail.com किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र मुम्बई न्यायालय ही होगा। 8097049935,9935750291RNI No-MAHHIN2017/74173

संपर्क का कार्यालय- 66/68 भाखरिया बिल्डिंग मीना मेहता मार्ग मोदी स्ट्रीट मुम्बई 400001

संरक्षक- डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष (हिन्दी) इलाहाबाद विश्व विद्यालय, विशेष संवाददाता- आशीष कुमार शर्मा सह, सम्पादक- माता प्रसाद शर्मा, फिल्म- संपादक-जगन्नाथ तिवारी